



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-03102026-276737
CG-DL-W-03102026-276737

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 3—अक्टूबर 9, 2026 (आश्विन 11, 1948)
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3—OCTOBER 9, 2026 (ASVINA 11, 1948)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	419	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	953	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	9	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1683	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	4327
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	1
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	8407
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	419	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	953	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	9	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1683	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	4327
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	8407
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2026

सं. 76 -प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-76640एक्स लेफ्टिनेन्ट कर्नल मानेओ फ्रांसिस पी एफ, एससी, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 29 अक्टूबर-04 नवंबर 2025)

पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के आक्रमण दल कमांडर, लेफ्टिनेन्ट कर्नल मानेओ फ्रांसिस पी एफ, एससी ने मणिपुर में हिंसा और विभाजन को बढ़ावा देने वाले राष्ट्र-विरोधी तत्वों को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त करने के लिए एक अत्यधिक समन्वित खुफिया नेटवर्क की स्थापना की।

लक्ष्य-विशिष्ट टीम प्रशिक्षण के बारे में कई महीनों तक लगातार खुफिया जानकारी मिलने के बाद लेफ्टिनेन्ट कर्नल फ्रांसिस ने विद्रोहियों पर छापा मारने और उन्हें खत्म करने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया। सात दिन की कड़ी निगरानी के बाद टीम विद्रोहियों के ठिकाने पर पहुंची और विद्रोहियों से शांतिपूर्वक आत्मसमर्पण करने की मांग की। विद्रोही ने इनकार में भारी स्वचालित गोलीबारी शुरू कर दी। लेफ्टिनेन्ट कर्नल फ्रांसिस ने अपने हमलावर समूह को ठिकाने के उत्तर से आगे बढ़ाया और एक संतरी को सफलतापूर्वक मार गिराया। उन्होंने एक अन्य विद्रोही को भी मात दी, जिसने पूरे हमलावर समूह को घेर रखा था। अधिकारी ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच रेंगकर और अपने बेहतर युद्ध कौशल से नजदीकी मुकाबले में विद्रोही को मार गिराया।

लेफ्टिनेन्ट कर्नल मानेओ फ्रांसिस पी एफ, एससी ने दो भारी हथियारों से लैस विद्रोहियों को मार गिराने में दृढ़ नेतृत्व, सामरिक कौशल और गोलीबारी के बीच अदम्य साहस का परिचय दिया। सूक्ष्म योजना, वीरता और निस्वार्थ कार्यों के लिए, लेफ्टिनेन्ट कर्नल मानेओ फ्रांसिस पी एफ, एससी को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-80956एफ मेजर जितेंद्र राठी, द्वितीय बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 22 फरवरी 2026)

मेजर जितेंद्र राठी एक अत्यंत कुशल विशेष बल अधिकारी हैं, उन्हें किशतवाड़ इलाके में कुख्यात आतंकवादी और उसके गिरोह को खत्म करने का विशेष मिशन सौंपा गया था।

22 फरवरी 2026, को किशतवाड़ जिले के इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सटीक सूचना मिलने पर, मेजर जितेंद्र अपनी टीम को तेजी से लक्ष्य की ओर ले गए। सुबह 0800 बजे उन्होंने बड़ी कुशलता से इलाके की घेराबंदी की ताकि भागने के सभी रास्ते बंद हो जाएं और फिर तलाशी अभियान शुरू किया। अदम्य साहस का परिचय देते हुए, वे आतंकवादियों के ठिकाने के अत्यंत करीब पहुंच गए और प्रशिक्षित डॉग टायसन को अंदर भेजा। आतंकवादियों ने टायसन पर अंधाधुंध गोली बरसाई। अपनी टीम और डॉग पर आने वाले खतरे को भांपते हुए, मेजर राठी ने बिना डरे सटीक कवरिंग फायर किया ताकि उनके साथी सुरक्षित स्थिति में आ सकें।

दुश्मन की ओर से हो रही भारी गोलीबारी के बीच अपनी सामरिक कुशलता दिखाते हुए, वे चुपके से एक सही जगह पर पहुँचे, वहाँ छिपे हुए एक आतंकवादी को पहचाना और तुरंत कार्यवाही करते हुए आगजनी करने वाले ग्रेनेड फेंके, जिससे एक आतंकवादी मारा गया और ठिकाने में आग लगा दी, जिससे बाकी दो आतंकवादी फँस गए और घायल हो गए। गोलीबारी बंद होने के पश्चात, उन्होंने पास जाकर कुल तीन विदेशी आतंकवादियों के खात्मे की पुष्टि करने के लिए कन्फर्मेटरी शॉट्स दागे।

असाधारण बहादुरी, अदम्य साहस और अत्यंत कठिन परिस्थितियों में उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए, मेजर जितेंद्र राठी को "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

3. 13627256के हवलदार गजेंद्र सिंह, द्वितीय बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 18 जनवरी 2026)

हवलदार गजेंद्र सिंह ने आसूचना द्रूप हवलदार के तौर पर किशतवाड के जंगली इलाके पर लगातार ध्यान रखा और आतंकवादियों का मुख्य ठिकाना की पुष्टि किया।

18 जनवरी 2026 को किशतवाड इलाके में 3000 मीटर की ऊँचाई पर घने जंगल में एक तलाशी दल का नेतृत्व करते हुए, हवलदार गजेंद्र सिंह ने संदिग्ध ठिकाने का पता लगाया और आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए अपने स्काउट्स के साथ आगे बढ़े। आतंकवादियों को देखते ही, उन्होंने आतंकवादियों को चुनौती दी, जिससे आतंकवादियों ने उन पर गोलियों की बौछार कर दी, जिससे दोनों स्काउट्स घायल हो गए।

निडरता से आगे बढ़ते हुए, गजेंद्र ने पहले स्काउट को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया और प्राथमिक उपचार दिया। अपनी जान की परवाह न करते हुए, उन्होंने दूसरे घायल साथी को भी बाहर निकाला, जिस दौरान उन्हें कई गोलियाँ लगीं। दोनों को सुरक्षित करने के बाद ही वह एक सुरक्षित क्षेत्र में लौटे, जहाँ अत्यधिक रक्त बहने के बावजूद उन्होंने आतंकवादियों से फिर से मुकाबला किया और एक अत्यंत प्रख्यात विदेशी आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसी दौरान अधिक रक्तस्राव के कारण हवलदार गजेंद्र सिंह वीरगति को प्राप्त हुए, जो भारतीय सेना के बलिदान, भाईचारे और निस्वार्थता की बेहतरीन परंपराओं को दिखाता है।

असाधारण नेतृत्व, अटूट साहस, अपने साथियों की जान बचाने में वीरता और व्यक्तिगत बलिदान देकर एक विदेशी आतंकवादी को निष्क्रिय करने के लिए हवलदार गजेंद्र सिंह को 'कीर्ति चक्र' (मरणोपरांत) प्रदान किया जाता है।

4. EXJ976018 हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

5. EXJ006061 सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल जसवंत सिंह, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

6. EXJ007020 सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल बलविंदर सिंह, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

7. EXJ117461 सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल तारिक हुसैन, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 23 मार्च 2025)

23 मार्च 2025 को, जम्मू के सांबा ज़िले में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास जंगली इलाके में भारी हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के आधार पर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने तुरंत एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि शुरुआत में आतंकवादी रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बच निकलने में कामयाब रहे, लेकिन पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच (उप-मंडल पुलिस अधिकारी बॉर्डर) और निरीक्षक अजय सिंह चिब (थाना प्रभारी पुलिस स्टेशन राजबाग) की अगुवाई वाली टीमों ने ज़मीनी जानकारी और लगातार पीछा करने की बदौलत उनकी भागने की राह को ऊबड़-खाबड़ बनी-बसोली-बिलावर क्षेत्र तक सीमित कर दिया। 26-27 मार्च 2025 की रात को, लगातार तलाशी अभियान और मानवीय सूचना से सोफ़ेन और जोथाना के घने जंगलों वाले गांवों में आतंकवादियों के छिपे होने की संभावना का पता चला। वरिष्ठ अधिकारियों के बेहतरीन तालमेल से रणनीतिक जगहों पर कई जगह घात लगाकर हमले की तैयारी की गई। पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच और निरीक्षक अजय सिंह चिब की अगुवाई वाली टीमों ने जिनमें हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह, एस.जी.सीटी जसवंत सिंह, एस.जी.सीटी तारिक हुसैन और एस.जी.सीटी बलविंदर सिंह शामिल थे- इलाके के अंदर सबसे ज़्यादा जोखिम वाली और खतरनाक जगहों पर मोर्चा संभाला।

27 मार्च 2025 को सुबह 9 बजे, एक रणनीतिक रूप से बेहतर जगह पर छिपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ये आतंकवादी बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित-भारी हथियारों से लैस तथा पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े थे। अचानक हुए ज़बरदस्त हमले से घबराए बिना, पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच और निरीक्षक अजय सिंह चिब के नेतृत्व वाली टीमों ने मज़बूत हौसले और अदम्य साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की और भारी गोलीबारी के बीच अपनी जगह डटे रहे। इसके बाद हुई भीषण मुठभेड़ और ग्रेनेड हमलों में हेड कांस्टेबल जगबीर सिंह, एस.जी.सीटी जसवंत सिंह, एस.जी.सीटी तारिक हुसैन और एस.जी.सीटी बलविंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और गंभीर घावों के कारण दम तोड़ दिया। आतंकवादियों को रोके रखने और उन्हें खत्म करने में उनके सर्वोच्च बलिदान की अहम भूमिका थी। गोली और छर्रे से घायल होने के बावजूद, पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच असाधारण दृढ़ संकल्प के साथ अपनी जगह डटे रहे, जबकि निरीक्षक अजय सिंह चिब, जिन्हें कोई चोट नहीं आई थी, अटल संयम और बहादुरी के साथ अपनी टीम का नेतृत्व जारी रखा। घेराबंदी को अन्य बलों की मदद से और मज़बूत किया गया, जिसके परिणामस्वरूप दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया और भारी मात्रा में हथियार व युद्ध से जुड़ी सामग्री बरामद की गई; इनमें एक M4 राइफल, दो AK-47 राइफ़लें, ग्रेनेड, ₹1.5 लाख की भारतीय मुद्रा, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और राशन शामिल थे।

निश्चित मौत के सामने बेमिसाल बहादुरी, कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण और जबरदस्त साहस दिखाने के लिए, स्वर्गीय जगवीर सिंह, हेड कॉन्स्टेबल EXJ976018, स्वर्गीय जसवंत सिंह, एस.जी.सीटी EXJ006061, स्वर्गीय तारिक हुसैन, एस.जी.सीटी EXJ117461 और स्वर्गीय बलविंदर सिंह, एस.जी.सीटी EXJ007020 को "कीर्ति चक्र" (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया है।

8. ARP905515 हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद, जम्मू और कश्मीर पुलिस (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 28 सितम्बर 2024)

बडनोटा के पास आर्मी की पेट्रोलिंग पार्टी पर हुए हमले, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे, के बाद मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए 28 सितंबर 2024 को सुबह करीब 11 बजे खबर मिली कि कठुआ जिले के धनुपरोल गांव में एक घर में जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादियों का एक समूह मौजूद है। यह भी पता चला कि वे पास के ही एक मतदान केंद्र पर हमला करने की योजना बना रहे थे, जहां दो दिन बाद मतदान होना था। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद और हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद समेत पुलिस कमांडो की एक टीम और सेना व सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने मिलकर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

टीम दो समूहों में बंट गई; एक समूह की कमान पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह के पास थी, और दूसरे समूह में सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद और हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद समेत अन्य लोग शामिल थे। घर पर करीब छह घंटे तक नज़र रखने के बाद, शाम के समय पहले समूह ने घर के अंदर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं। उन्होंने तय किया कि वे घर की अच्छी तरह तलाशी लेंगे, जबकि दूसरे समूह ने भागने के रास्ते को अवरोधित कर दिया। जैसे ही समूह संदिग्ध घर की ओर बढ़ा, खतरा भांपकर आतंकवादी अचानक बाहर निकल आए और भागने की कोशिश में उन्होंने संयुक्त तलाशी समूह पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद, जिनके पास लाइट मशीन गन थी, ने उन्हें रोके रखा और पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। यह समझते हुए कि हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद ही मुख्य बाधा हैं, उन्होंने M-4 जैसे आधुनिक हथियारों से उन्हें निशाना बनाया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जब बाकी सदस्य उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, तो आतंकवादियों को भागने का मौका मिल गया। पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह और सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान वे भी गोली लगने से घायल हो गए। हालांकि, अंधेरे और ऊबड़-खाबड़ इलाके का लाभ उठाकर चार आतंकवादी मुठभेड़ वाली जगह से भाग निकले। बाद में, मुठभेड़ वाली जगह और घर की तलाशी लेने पर एक खतरनाक विदेशी आतंकवादी का शव और युद्ध में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद हुआ। तीनों घायल पुलिसकर्मियों को वहां से निकाला गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मौत के साये में भी अपने कर्तव्य से कहीं बढ़कर असाधारण साहस दिखाने और बहादुरी व बलिदान की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए, स्वर्गीय बशीर अहमद, हेड कॉन्स्टेबल ARP905515 को "कीर्ति चक्र" (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया है।

9. PNO 900770179 निरीक्षक सुनील कुमार, स्पेशल टास्क फोर्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 20 जनवरी 2025)

निरीक्षक एसटीएफ सुनील कुमार, के नेतृत्व वाली टीम द्वारा जनपद शामली के थाना झिंझाना क्षेत्रान्तर्गत अभिसूचना संकलन के दौरान दिनांक 20-01-2025 को अभिसूचना प्राप्त हुई एक दुर्दान्त अपराधी एवं मुकीम काला गैंग का सदस्य कार से विडौली होते हुए हरियाणा से चैसाना की ओर गहन घटना कारित करने हेतु जा रहा है।

निरीक्षक सुनील कुमार ने तुरन्त अपनी टीम को सक्रिय किया तथा विडौली-चैसाना चैराहे जनपद शामली पर रणनीतिक पोजीशन लेकर अपराधियों की प्रतीक्षा करने लगे। समय लगभग 2300 बजे हरियाणा की ओर से संदिग्ध कार आती दिखाई दी। चैकिंग हेतु रोके जाने पर कार सवार अपराधी कार को तेज गति में भगाने लगे। एस.टी.एफ. टीम ने संदिग्ध कार को उदयपुर ईंट भट्टे के पास पा लिया। आत्मसमर्पण हेतु चैलेन्ज किये जाने पर अपराधियों द्वारा अन्धाधुन्ध फायरिंग प्रारम्भ कर दी गयी। अदम्य शौर्य एवं साहस का परिचय देते एवं अपनी जान की परवाह न करते हुए सुनील अपराधियों के फायरिंग रेन्ज में घुस गये और अपराधियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया। अन्धाधुन्ध फायरिंग कर रहे अपराधियों पर नियंत्रण पाने एवं उनकी गिरफ्तारी का अन्य विकल्प न पाते हुए एस.टी.एफ. टीम द्वारा नियंत्रित फायरिंग की गयी, जिसके परिणामस्वरूप 03 अपराधी अरशद, मंजीत उर्फ ढिल्ला उर्फ जुबेर एवं मनवीर गाड़ी में तथा उनका चौथा साथी सतीश गाड़ी के पास से ही घायलावस्था में गिरफ्तार किया गया। घायल अपराधियों को चिकित्सालय उपचार हेतु भेजा गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। अपराधियों के एक बर्स्ट फायर से निरीक्षक सुनील कुमार गम्भीर रूप से घायल हो गये। उन्हें तत्काल उपचार हेतु मेदान्ता अस्पताल, गुरुग्राम भेजा गया जहां दिनांक 22-01-2025 को उन्होंने दम तोड़ दिया। इस मुठभेड़ में निरीक्षक सुनील कुमार ने अपराधियों से मुठभेड़ के दौरान कर्तव्यपालन में अपने प्राणों को बलिदान कर दिया।

निरीक्षक श्री सुनील कुमार द्वारा प्रदर्शित अदम्य शौर्य एवं साहस के लिए "कीर्ति चक्र" से सम्मानित किया गया है।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 77-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "बार टू शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी- 87240एल मेजर आदित्य प्रताप सिंह, एससी, एसएम, दि राजपुताना राईफल्स / 44 असम राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 05 जुलाई 2025)

05 जुलाई 2025 को मेजर आदित्य प्रताप सिंह, एससी, एसएम, अपने दल का नेतृत्व करते हुए भारत-म्यांमार सीमा के समीप घने जंगल और पृथक जंगली रास्तों पर पेट्रोलिंग कर रहे थे। तभी 0445 बजे उनके दल पर उग्रवादियों ने भयंकर गोलाबारी कर ग्रेनेड दागने शुरू कर दिये।

अदम्य साहस, सूझबूझ और रणनीतिक कौशल दिखाते हुए अधिकारी ने बिजली की रफ्तार से पलटवार किया और खतरे में घिरे अपने साथी स्काउट को देख तुरंत उसे आड़ में खींचा। तभी उग्रवादियों की गोलीबारी उनके पिटू पर लगी लेकिन वो बाल-बाल बच गए। अपने ऊपर गंभीर खतरा होते हुए भी अधिकारी ने अद्वितीय दक्षता और अदम्य साहस का परिचय दिया और रेंगते हुए उग्रवादियों के नजदीक जा पहुंचे। भारी गोलाबारी और ग्रेनेड फटने से चोटिल होने पर भी, उन्होंने निडरता से, अपनी जान की परवाह किये बिना भारी गोलाबारी के बीच उग्रवादियों के गढ़ पर हमला कर दिया। सर्वोत्कृष्ट युद्ध कौशलता दर्शाते हुए अधिकारी ने ग्रेनेड और राईफल की अचूक गोलाबारी करके एक प्रख्यात शीर्ष युद्धक को निकट की लड़ाई में मार गिराया जिसके पास से भारी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद हुई।

चोटिल होने पर भी अदम्य साहस और कर्तव्य की पराकाष्ठा से ऊपर अद्वितीय पराक्रम दिखाने के लिए मेजर आदित्य प्रताप सिंह, एससी, एसएम को "बार टू शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 78 -प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी- 78412एन मेजर परमवीर, दि गढ़वाल राईफल्स/ 36वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 26 अगस्त 2025)

मेजर परमवीर ने मच्छादी में सीमारेखा के सामान्य इलाके से लगे नाला पर घात का नेतृत्व किया। भू-भाग की उत्कृष्ट सामरिक समझ का परिचय देते हुए उन्होंने मात्र 15-20 मीटर की साहसिक दूरी पर घात का मारक क्षेत्र चयनित किया तथा उत्कृष्ट छिपाव का प्रयोग कर पूर्ण आश्चर्य प्राप्त किया।

जैसे ही आतंकी मारक क्षेत्र में आए, मेजर परमवीर ने अद्वितीय धैर्य का परिचय देते हुए घात खोला और अत्यंत सटीक गोलीबारी कर तीनों आतंकियों को प्रभावी ढंग से संलग्न किया। घायल होने के बावजूद एक आतंकी बच निकलने हेतु नीचे खाई की ओर कूद पड़ा। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए, मेजर परमवीर आवरण से बाहर निकले, उसका पीछा किया और निर्णायक गोलीबारी से उसे ढेर कर दिया।

अनुवर्ती तलाशी के दौरान, उन्होंने अपनी तीक्ष्ण दृष्टि से नौशेरा नार नदी पार घनी झाड़ियों में छिपे दूसरे आतंकी को देखा और तुरंत कार्रवाई कर उसे भी मार गिराया। तत्पश्चात उन्होंने तीसरे आतंकी को एक बोलडर के पीछे छिपा पाया और उसे भी समाप्त करने का आदेश दे दिया। इस ऑपरेशन के दौरान प्रचुर मात्रा में युद्ध सामग्री बरामद की गई।

दृढ़ नेतृत्व के साथ मेजर परमवीर ने बिना किसी हानि के घुसपैठ कर रहे पूरे आतंकी दल का सफाया सुनिश्चित किया। अद्वितीय साहस और कर्तव्यनिष्ठा के लिए मेजर परमवीर को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी- 83437के मेजर तरुण वासुदेवन, दि कोर ऑफ़ इंजीनियर्स/ 57वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 13 अक्टूबर 2025)

मेजर तरुण वासुदेवन, ने घुसपैठ विरोधी ऑपरेशन के दौरान आगे बढ़कर घात कॉलम का नेतृत्व करते हुए दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया सुनिश्चित किया।

विशेष खुफिया जानकारी से आतंकवादियों द्वारा सम्भावित घुसपैठ/ बॉर्डर एक्शन टीम के बारे में पता चलने पर, मेजर तरुण वासुदेवन ने दुश्मन चौकी के निकट सामान्य क्षेत्र में दो घातक कॉलम में से एक की योजना बनाई और उसका नेतृत्व किया।

स्काउट द्वारा दो भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों की गतिविधि की सूचना मिलने पर, उन्होंने असाधारण सामरिक कौशल, अदम्य साहस और अपनी जान की परवाह न करते हुए यह सुनिश्चित किया कि आतंकवादी घात लगाए बैठे स्थान के करीब पहुंच जायें। उन्होंने आतंकवादियों से बहुत करीब से मुठभेड़ की, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादियों ने भारी जवाबी कार्रवाई की और फिर शमशु नार की ओर

भागने की कोशिश की। फिर भी, उन्होंने नजदीकी लड़ाई जारी रखी और भीषण गोलीबारी में भारी हथियारों से लैस एक दुर्दांत आतंकवादी को मार गिराया। आतंकवादी से संपर्क तोड़ने बिना, उन्होंने लगातार गोलीबारी और क्लेमोर फायरिंग करके दूसरे आतंकवादी से मुठभेड़ जारी रखी, जिससे अगली टुकड़ी द्वारा उसका खात्मा सुनिश्चित हो गया।

अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए अद्वितीय साहस, दृढ़ नेतृत्व, त्रुटिहीन सामरिक कौशल का प्रदर्शन करने तथा भारी हथियारों से लैस दो दुर्दांत आतंकवादियों को मार गिराने के लिए मेजर तरुण वासुदेवन को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

3. आईसी- 85497एक्स मेजर केशव कुमार, 12वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 02 फरवरी 2026)

एक ऑपरेशन के दौरान मेजर केशव कुमार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया गया। 02 फरवरी 2026 को जंगल में दो आतंकवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय खुफिया जानकारी प्राप्त हुई। एक ऑपरेशन के मिशन कमांडर के रूप में मेजर केशव कुमार ने कठिन और जोखिमभरे इलाके में अप्रत्याशित मार्गों से पहुँचकर असाधारण सूझबूझ का प्रदर्शन किया, जिससे पूर्ण आश्चर्य का तत्व प्राप्त हुआ। रात के दौरान उन्होंने संभावित भागने के मार्गों से सामरिक रूप से अवरुद्ध किया और संदिग्ध ठिकाने के करीब पहुँचते हुए पूरे क्षेत्र पर कड़ी निगरानी बनाए रखी।

अगली सुबह उन्होंने सुनियोजित तलाशी अभियान शुरू किया जिसमें उन्होंने स्वयं को गंभीर खतरे में डालकर व्यक्तिगत रूप से चार गुफाओं की तलाशी ली, जिससे संदिग्ध ठिकाने का दायरा सीमित हो गया। इस प्रक्रिया में आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू की और अपनी स्थिति उजागर कर दी, तब भी उन्होंने गोलीबारी के बीच धैर्य बनाए रखते हुए विभिन्न एजेंसियों के बीच फायर समन्वय बनाये रखा। उन्होंने लगातार मुकाबला जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मार गिराया गया। दूसरा आतंकवादी गुफा के अंदर छिपा हुआ था, लेकिन मेजर केशव कुमार की निर्णायक कार्रवाई ने उसके भागने की संभावना को समाप्त कर दिया और अंततः उसे भी निष्क्रिय कर दिया गया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में श्रेणी ए++ आतंकवादी के रूप में हुई जो कि अनेक सुरक्षा कर्मियों व सिविलियन को मारने में जिम्मेदार था।

गोलाबारी के बीच प्रदर्शित असाधारण वीरता और अडिग साहस के लिए, मेजर केशव कुमार को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

4. आईसी- 87542एक्स मेजर गौरव सिंह बृजवाल, 21 ग्रेनेडियर्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 07 नवम्बर 2025)

07 नवम्बर 2025 को एक घुसपैठ विरोधी ऑपरेशन के दौरान, मेजर गौरव सिंह बृजवाल नियंत्रण रेखा के निकट 48 घंटे की घात का नेतृत्व कर रहे थे। संध्या के समय उन्होंने नियंत्रण रेखा के पास तीन आतंकवादियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। असाधारण संयम और सामरिक दक्षता प्रदर्शित करते हुए, उन्होंने आतंकवादी समूह को अपनी इच्छित मारक दूरी तक आने दिया। आतंकवादियों को उनके हथियारों सहित सकारात्मक रूप से पहचानने के पश्चात मेजर गौरव ने सटीक गोलीबारी से अग्रणी आतंकवादी को घायल कर दिया।

आतंकवादियों द्वारा जवाबी गोलीबारी के दौरान अपनी टुकड़ी के लिए खतरा महसूस करते हुए, उन्होंने भारी गोलीबारी के बीच अपनी स्थिति बदली और व्यक्तिगत सुरक्षा की पूर्ण उपेक्षा करते हुए पहले आतंकवादी को नजदीकी से मार गिराया। शेष आतंकवादियों को भागने का प्रयास करते देख, उन्होंने अपनी कवरिंग पार्टी को उन्हें रोकने के लिए निर्देशित किया, जिससे उनका पीछे हटना प्रभावी रूप से रुक गया। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत रूप से दूसरे आतंकवादी से भिड़कर उसे घायल कर दिया।

मेजर गौरव के उत्कृष्ट युद्ध नेतृत्व और शत्रु की भारी गोलाबारी के बीच सामरिक कौशल के परिणामस्वरूप दो आतंकवादियों का निस्तारण और नियंत्रण रेखा के साथ घुसपैठ प्रयास को विफल किया। इस वीरता और कर्तव्यनिष्ठा के लिए, मेजर गौरव सिंह बृजवाल को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

5. एसएस- 50354वाई मेजर विपीन कुमार, दि कोर ऑफ सिग्नलस/ 11वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 21 फरवरी 2026)

अधिकारी ने 21-22 फरवरी को चलाए गए आतंकवाद-विरोधी अभियान के दौरान किशतवाड जिले में असाधारण सामरिक कौशल और युद्धक्षेत्र नेतृत्व का प्रदर्शन किया। उन्हें अत्यंत कठिन जंगल और पहाड़ी इलाकों में आंतरिक घेरा बनाने का दायित्व सौंपा गया था, उन्होंने शत्रुतापूर्ण परिस्थितियों में सुनियोजित रूप से आतंकवादियों से दूरी कम करने के लिए निकट आने का अभ्यास किया।

शत्रु की उपस्थिति का पता चलने पर, उन्होंने अपनी टीम को घनी झाड़ियों और ऊबड़-खाबड़ जमीन से होते हुए आगे बढ़ाया, और छिपकर भागने के रास्तों पर अपना दबदबा बनाए रखा। जब आतंकवादियों ने संपर्क तोड़ने का प्रयास किया, तो अधिकारी ने आगे बढ़कर उनका सामना किया और उनसे भीषण गोलीबारी कर मुकाबला किया। भीषण गोलीबारी में, उन्होंने सटीक निशाना साधते हुए एक आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया, उसे प्रभावी ढंग से घेर लिया और भागने के किसी भी प्रयास को विफल कर दिया। उन्होंने उसे एक घेरे में फंसाए

रखा, जिससे घेराबंदी को और मजबूत किया जा सका। उनके दृढ़ नेतृत्व और घेराबंदी स्थापित होने तक पूर्ण रूप से आश्चर्यचकित रहने की रणनीति ने आतंकवादियों को एक घेरे में सफलतापूर्वक फंसाने में मदद की और सबसे चुनौतीपूर्ण परिचालन परिस्थितियों में से एक कुख्यात सदस्य को मार गिराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गोलीबारी के बीच अधिकारी की निर्णायक कार्रवाई और अनुकरणीय नेतृत्व उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता को दर्शाता है।

साहस, अनुकरणीय नेतृत्व और अत्यंत व्यावसायिकता के लिए, मेजर विपीन कुमार को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

6. जेसी- 38391ए नायब सूबेदार शंकर राम, 3 असम राइफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 28 नवम्बर 2025)

28 नवंबर 2025 को मणिपुर के पूर्वी इम्फाल जिले में स्थित चौकी पर विद्रोहियों की भीषण गोलीबारी के दौरान नायब सूबेदार शंकर राम ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया। अदम्य साहस और सर्वोच्च वीरता का परिचय देते हुए, उन्होंने तुरंत विद्रोही ठिकानों पर सटीक एमएमजी गोलीबारी करके जवाबी कार्रवाई की। इस गोलीबारी के दौरान, उनके बाएं हाथ में गंभीर चोट आई। अत्यधिक रक्तस्राव के बावजूद, उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए, वहां से जाने से इनकार कर दिया और अपने सैनिकों का हौसला बढ़ाते रहे। जब उनके लिए गंभीर खतरा मंडरा रहा था, तब उन्होंने अदम्य साहस और अटूट लड़ाकू भावना का प्रदर्शन करते हुए, अपने निजी हथियार को उठाया और भीषण गोलीबारी के बीच अकेले ही विद्रोहियों से भिड़ गए। उनके इस निश्चय के परिणामस्वरूप छह विद्रोही गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उन्हें सीमा पार भागने पर मजबूर होना पड़ा।

असाधारण सूझबूझ का परिचय देते हुए, उन्होंने बम से लदे एक शत्रु ड्रोन का पता लगाया और तुरंत सैनिकों को सतर्क कर दिया, जिससे अपने जवानों को हताहत होने से बचाया जा सका। उनके इस कार्य से दो स्वचालित हथियारों और युद्ध सामग्री की बरामदगी हुई।

कर्तव्य की पुकार से परे इस साहसिक कार्य के लिए, नायब सूबेदार शंकर राम को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

7. जेसी- 415451ए नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट, 21वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 04 नवम्बर 2025)

नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट, विशेष बल के एक अनुभवी जूनियर लीडर, ने चूडाचांदपुर, मणिपुर के सामान्य क्षेत्र में हिंसक विद्रोहियों के गोलीबारी के दौरान असाधारण परिचालन कौशल व वीरता का प्रदर्शन किया।

04 नवंबर 2025 को, चूडाचांदपुर के सामान्य क्षेत्र में भारी हथियारों से लैस कैडरों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, जूनियर कमीशंड ऑफिसर ने अपने दल के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल मानेओ फ्रांसिस पीएफ, शौर्य चक्र के साथ घेरा स्थापित करने के लिए अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया। अपने दल के कमांडर के निर्देश पर, नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट ने अपने दस्ते के साथ उस समय कवर लिया जब सशस्त्र कैडरों के समूह ने उनके घेराव स्थल का उल्लंघन करने का प्रयास किया। दुश्मन की अंधाधुंध गोलीबारी का सामना करते हुए और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट ने उनका सामना किया और उन्हें मारक क्षेत्र में उलझाये रखा। एक कैडर ने पश्चिमी फ्लैंक की तरफ से चालाकी से भागने की कोशिश की। अपनी बुद्धिमता और सामरिक कौशल से आगे रेंगते हुए उन्हें घेरा व भिड़ गए। भारी गोलीबारी के बावजूद उनके सामरिक कौशल और वीरतापूर्ण कार्य ने दो कैडरों को घायल किया और एक कैडर को सटीक निशाने के साथ मार गिराया।

नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट के सामरिक नेतृत्व और सूझबूझ ने विद्रोहियों को नाकाम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। असाधारण पराक्रम और नेतृत्व के लिए, नायब सूबेदार डब्लु सिंह बिष्ट को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

8. 13771448डब्ल्यू हवलदार जगत्तर सिंह, चतुर्थ बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 03 फरवरी 2026)

हवलदार जगत्तर सिंह ने एक ऑपरेशन के दौरान जोफर के घने एवं दुर्गम जंगल में असाधारण वीरता एवं उत्कृष्ट सैनिक गुणों का प्रदर्शन किया। 02 फरवरी 2026 को दो आतंकवादियों की मौजूदगी की पुख्ता खुफिया जानकारी मिलने पर उन्होंने स्वेच्छा से गुप्त कार्यवाही का दायित्व संभाला और अपने साथी के साथ पूर्ण गोपनीयता एवं कुशलता से आगे बढ़े तथा क्षेत्र में सक्रिय शत्रु तत्वों का निरीक्षण, पुष्टि एवं निगरानी की। उत्कृष्ट क्षेत्रीय कौशल एवं असाधारण धैर्य दिखाते हुए उन्होंने अत्यंत गोपनीय निगरानी बनाए रखते हुए आतंकवादियों की उपस्थिति की पुष्टि की तथा समय पर सैनिक दल की तैनाती सुनिश्चित की, जिससे ऑपरेशन निर्णायक चरण की ओर अग्रसर हो सका।

03 फरवरी 2026 को संदिग्ध ठिकाने की सुनियोजित खोज और उस पर नियंत्रण स्थापित करने की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने अपने दल को संभावित निकास मार्गों पर तैनात किया जिससे आतंकवादियों के गुफा से भागने के सभी प्रयासों को विफल कर दिया गया। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादियों ने गुफा के भीतर से ग्रेनेड फेंककर एवं अंधाधुंध गोलाबारी कर घेरा तोड़ने का प्रयास किया। दुश्मन की प्रत्यक्ष गोलाबारी की परवाह किए बिना हवलदार जगत्तर सिंह ने असाधारण आत्मसंयम एवं सतर्कता बनाए रखी तथा अपने स्थान पर डटे रहे। अत्यंत गोलाबारी के बीच एक

आतंकी ने भागने का प्रयास किया तब उन्होंने अदम्य साहस, उत्कृष्ट निशानेबाजी एवं अद्वितीय सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए शत्रु की गोलाबारी एवं ग्रेनेड विस्फोटों के बीच निकट दूरी से सटीक निशाना साधकर भागते हुए आतंकी को मार गिराया।

इसके उपरांत दृढ़ कर्तव्य निष्ठा का परिचय देते हुए, वह गुफा की अंतिम तलाशी एवं क्लीयरेंस में मुख्य भूमिका निभाते हुए गुफा में दाखिल हुए और गुफा की तलाशी करते हुए आतंकवादियों के शव और युद्ध सामग्री को बाहर निकालने में सहयोग दिया और ऑपरेशन की सफलता को सुनिश्चित किया।

उत्कृष्ट वीरता, शत्रु की गोलाबारी के बीच अदम्य साहस और अनुकरणीय नेतृत्व प्रदर्शित करने के लिए हवलदार जगत्तर सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

9. 16029546एल लांस नायक नरेंद्र सिंधु, दि राजपुताना राईफल्स/ 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 08 सितम्बर 2025)

कुलगाम जिले के जंगली इलाके में एक संयुक्त खोजी व नष्ट अभियान के दौरान लांस नायक नरेंद्र सिंधु ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए एक खुंवार आतंकवादी को मार गिराया और ऑपरेशन में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

दिनांक 08 सितम्बर 2025 को प्रातः 0815 बजे, एक आतंकी ठिकाने में छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की तथा भागने का प्रयास किया। अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद, लांस नायक नरेंद्र सिंधु ने अद्वितीय संयम एवं उत्कृष्ट सामरिक स्पष्टता का परिचय देते हुए शीघ्रता से अपनी गोलीबारी को रोका ताकि घेरे के अन्दर स्थित अपनी खोज दल को कोई हानि न पहुँचे। इस दौरान, उन्होंने निकट दूरी पर संदिग्ध हलचल देखी और नियमों के अनुसार आतंकवादी को चुनौती दी। आतंकवादी ने तत्काल तीव्र और सघन गोलीबारी कर दी, जिससे लांस नायक नरेंद्र सिंधु गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर चोटों के बावजूद, उन्होंने असाधारण वीरता, दृढ़ निश्चय और अटूट साहस का परिचय देते हुए, गोलीबारी के बीच रेंगकर अपनी स्थिति बदली, पुनः सटीक लक्ष्य साधा और आतंकवादी पर घातक गोलीबारी करते हुए आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान श्रेणी ए+ के आतंकवादी के रूप में की गई। गंभीर रूप से घायल लांस नायक नरेंद्र सिंधु को तत्परता से निकाला गया, परन्तु घायल होने के कारण वीरगति को प्राप्त हुए।

अदम्य वीरता, असाधारण नेतृत्व क्षमता, सर्वोच्च साहस एवं भारतीय सेना की गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप प्रदर्शित किए गए शौर्यपूर्ण कार्य एवं सर्वोच्च बलिदान के लिए, लांस नायक नरेंद्र सिंधु को “शौर्य चक्र” (मरणोपरांत) प्रदान किया जाता है।

10. 20003223एक्स लांस नायक कपिल देव, दि डोगरा रेजिमेंट/ 11वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 04 फरवरी 2026)

एक आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन का प्रारंभ 14 जनवरी 2026 को किश्तवार के सामान्य क्षेत्र में आतंकवादियों को निष्क्रिय करने हेतु किया गया। 18 जनवरी 2026 को अभियान के दौरान एक बड़ा आतंकवादी ठिकाना ध्वस्त किया गया, किन्तु घने जंगलों का लाभ उठाकर आतंकवादी भागने में सफल रहे। इसके उपरांत फरार आतंकवादियों को खोजकर समाप्त करने हेतु व्यापक तलाशी अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत लांस नायक कपिल देव को एक घातक दल के स्काउट के रूप में नियुक्त किया गया।

दिनांक 04 फरवरी 2026 को लगभग 1815 बजे, लांस नायक कपिल देव ने डिच्छार के घने जंगली क्षेत्र में पेड़ों के पीछे छिपे एक आतंकवादी को देखा। असाधारण साहस एवं उत्कृष्ट सामरिक कौशल का परिचय देते हुए वे अपने साथी के साथ सावधानीपूर्वक आतंकवादी की ओर बढ़े। निकट दूरी पर पहुँचने के उपरांत उन्होंने सटीक एवं नियंत्रित फायर करते हुए आतंकवादी को ललकारा। इस दौरान अन्य आतंकवादियों द्वारा दो भिन्न दिशाओं से उन पर गोलीबारी की गई, किन्तु उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस और धैर्य का परिचय देते हुए जवाबी कार्रवाई जारी रखी। अपने साहसिक एवं वीरतापूर्ण कार्यों से उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया, अपनी टुकड़ी की सुरक्षा सुनिश्चित की तथा भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद एवं युद्ध सामग्री की बरामदगी सुनिश्चित की।

लांस नायक कपिल देव ने कर्तव्य से बढ़कर अद्वितीय साहस, अटल संकल्प एवं उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए भारतीय सेना की सर्वोच्च परंपरों को कायम रखा। शत्रु के सम्मुख प्रदर्शित उनकी विशिष्ट वीरता के लिए लांस नायक कपिल देव को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

11. 4498758एल सिपाही जसविंदर सिंह, 7 सिख लाईट इन्फैन्ट्री

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 23 जनवरी 2026)

सिपाही जसविन्दर सिंह ने कठुआ जिले के दूरदराज गाँव में एक उच्च जोखिम तथा हाउस इंटरवेंशन ऑपरेशन के दौरान विदेशी आतंकियों को खत्म करने में अदम्य साहस का परिचय दिया।

23 जनवरी 2026 को तेज वर्षा के दौरान सिपाही जसविन्दर सिंह अपनी टीम का नेतृत्व करते हुए, टीम को घने जंगल में से निकालकर लक्षित घर तक ले गए। उन्होंने आँखों के इशारे से अपनी टीम की बात समझी कि घर में कोई सिविलियन नहीं है। खुद की परवाह किए बिना, उन्होंने अपने दल का नेतृत्व करते हुए, घर में दूसरे रास्ते से प्रवेश कर घर की गहन जाँच की। रसोई में उन्हे हथियार से लैस एक अतंकवादी मिला।

अपनी टीम को जोखिम में पाकर, सिपाही जसविन्दर सिंह तुरन्त आतंकवादी की तरफ बढ़े और नजदीक से अपने हथियार के सटीक निशाने से उस आतंकवादी का खात्मा कर दिया। उनकी सूझबूझ व धैर्य के फलस्वरूप आतंकवादी को प्रतिक्रिया के लिए समय दिए बिना, ऑपरेशन को बहुत कम समय में अंजाम दिया गया।

सिपाही जसविन्दर सिंह के साहसिक कार्य से कठुआ जिले में 2024 से सक्रिय एक आतंकवादी का खात्मा किया गया और एम-4 असॉल्ट राइफल के साथ अन्य विस्फोटक युद्ध सामग्री प्राप्त की गई।

अदम्य साहस, सूझबूझ, व निडरता से एक विदेशी आतंकवादी का खात्मा करने के लिए, सिपाही जसविन्दर सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

12. 10119-वाई लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 18 अक्टूबर 2025)

लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार, आईएनएस त्रिकंड पर NBCD अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने 18 अक्टूबर 2025 को अदन की खाड़ी में ऑपरेशन संचेत के दौरान असाधारण साहस एवं वीरता का प्रदर्शन किया। आईएनएस त्रिकंड को MT Falcon, जो कैमरून के ध्वज वाला LPG टैंकर था, को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया गया। उक्त पोत को हूती हमले वाले क्षेत्र में एक भीषण विस्फोट एवं गंभीर अग्निकांड का सामना करना पड़ा था। संरचनात्मक रूप से क्षतिग्रस्त यह पोत नियंत्रण से बाहर होकर बह रहा था तथा LPG के निरंतर रिसाव से आग अनियंत्रित रूप से भड़क रही थी, जिससे एक विनाशकारी द्वितीयक विस्फोट का आसन्न खतरा उत्पन्न हो गया था। पोत के दो भारतीय चालक दल सदस्य लापता थे तथा उनके पोत के अंदर फंसे होने की आशंका थी।

विस्फोटक LPG वाष्प, विषैले धुएँ, अत्यधिक ताप, ऑक्सीजन की कमी वाले कम्पार्टमेंट्स, कमजोर हो चुकी संरचना तथा संभावित शत्रुतापूर्ण कार्रवाई से उत्पन्न अत्यधिक खतरे से पूर्णतः अवगत होते हुए, लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार ने स्वेच्छा से इस अत्यंत जोखिमपूर्ण अभियान का नेतृत्व किया। उन्होंने बार-बार जलते हुए एवं गैस से भरे कम्पार्टमेंट्स में प्रवेश किया, निरंतर तकनीकी एवं जोखिम आकलन किए तथा अत्यधिक क्षतिग्रस्त और धुएँ से भरे स्थानों में अपनी टीम का मार्गदर्शन किया।

असाधारण धैर्य, उच्च कोटि की पेशेवर दक्षता तथा अपने व्यक्तिगत जीवन की सुरक्षा की पूर्ण उपेक्षा का परिचय देते हुए, उन्होंने लापता चालक दल सदस्यों की तलाश के लिए बार-बार किए गए आंतरिक तलाशी अभियानों का नेतृत्व किया। विषैली गैसों के लंबे समय तक संपर्क, अत्यधिक ताप, शारीरिक थकावट एवं तीव्र मानसिक तनाव के बावजूद, उन्होंने व्यक्तिगत रूप से क्षतिग्रस्त कम्पार्टमेंट्स से विखंडित एवं क्षत-विक्षत मानव अवशेषों की बरामदगी की कार्रवाई का पर्यवेक्षण किया तथा उसमें स्वयं भाग लिया, जिससे उनके सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण पुनर्प्राप्ति को सुनिश्चित किया जा सके।

उनका निर्भीक नेतृत्व एवं सर्वाधिक विशिष्ट वीरता इस असाधारण रूप से जोखिमपूर्ण अभियान के सफलतापूर्वक पूर्ण होने में निर्णायक रही, जिससे भारतीय नौसेना की दृढ़संकल्पित, सक्षम एवं विश्वसनीय समुद्री शक्ति के रूप में छवि को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करने के साथ-साथ भारतीय नौसेना को अत्यंत गौरव प्राप्त हुआ। असाधारण रूप से जोखिमपूर्ण बचाव अभियान के सफल संचालन में उनके अदम्य साहस, कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण एवं विशिष्ट वीरता के लिए लेफ्टिनेंट कमांडर शिवम कुमार को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

13. 34544, स्कवाड्रन लीडर सुधीर कुमार, उड़ान (पायलट)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 09 सितम्बर 2025)

09 सितम्बर 2025 को, उन्हें Su-30 MKI विमान के पिछले कॉकपिट से रात में एक निम्न ऊँचाई की उड़ान और निम्न-स्तरीय नेविगेशन सॉर्टी उड़ाने के लिए प्राधिकृत किया गया था। उनके साथ आगे के कॉकपिट में एक प्रशिक्षणाधीन पायलट था। रिकवरी चरण के दौरान, 2.2 किमी की ऊँचाई और 740 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर, विमान में एक भयावह विफलता हुई जो कि फ्लाई बाय वायर (FBW) प्रणाली की विफलता के कई संकेतकों के साथ अनुदैर्ध्य तल में हिंसक दोलनों के रूप में प्रकट हुई। इस गंभीर स्थिति के परिणामस्वरूप +45 डिग्री से -15 डिग्री तक के भारी पिच बदलाव, -1.5g से +12g तक फैले अत्यधिक g-लोड के साथ-साथ 24 यूनिट से अधिक के एंगल ऑफ अटैक (AOA) संकेत मिले। कॉकपिट में पर्यवेक्षक के रूप में उन्होंने मानव सहनशीलता की मानक सीमाओं से अधिक शारीरिक बलों का अनुभव करने के बावजूद असाधारण स्थितिजन्य जागरूकता और एयरमैनशिप का प्रदर्शन किया। तेजी से बदलते जी-लोड और पिच की चरम परिस्थितियों में, उन्होंने अपना संयम और शांत व्यवहार बनाए रखा और स्थिति पर तत्काल नियंत्रण प्राप्त किया एवं आगे बैठे हुए पायलट को विफल हुए FBW चैनलों को रीसेट करने का निर्देश दिया। उन्होंने अनुकरणीय निर्णय का परिचय देते हुए, पहले तो यह पुष्टि की कि महत्वपूर्ण FBW लाल बत्ती नहीं जल रही थी एवं तत्पश्चात आगे के पायलट को सही स्विच संचालित करने का निर्देश दिया।

आगामी कार्य अत्यधिक महत्व का था, क्योंकि तीव्र जी-बलों की हिंसक शुरुआत और युद्धाभ्यास की तीव्रता रात में पूर्ण अंधेरे की स्थिति में प्रकट हुई थी। बिना किसी बाहरी संदर्भ फ्रेम और दृष्टि के धुंधलेपन के कारण विमान के उपकरणों को समझने की असमर्थता की स्थिति में उन्होंने विमान पर तुरंत बिजली खोलकर असाधारण एयरमैनशिप और प्रशंसनीय सहज ज्ञान का परिचय दिया। इसने संभावित रूप से विनाशकारी दुर्घटना को रोका जो हवा की गति के तीव्र वेग में नुकसान के कारण हो सकता था। इस आपात स्थिति में उन्होंने पूर्ण पेशेवर कौशल और धैर्य को

प्रदर्शित किया एवं होश में रहने और निर्देशित बने रहने के लिए अत्यंत संघर्ष करते हुए और शारीरिक पीड़ा के बावजूद उपर्युक्त प्रतिक्रियाशीलता को बनाए रखा। इसके अतिरिक्त उन्होंने सामने के कॉकपिट में प्रशिक्षणाधीन पायलट को मार्गदर्शन एवं आश्वासन प्रदान कर उत्कृष्ट नेतृत्व पर्यवेक्षी कौशल का भी परिचय दिया।

वीरता के इस कार्य के लिए, स्कवाड्रन लीडर सुधीर कुमार को शौर्य चक्र से सम्मानित किया जाता है।

14. JKPS125836 पुलिस उप-अधीक्षक धीरज सिंह कटोच, जम्मू और कश्मीर पुलिस

15. EXJ006226 निरीक्षक अजय सिंह चिब, जम्मू और कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 23 मार्च 2025)

23 मार्च 2025 को, जम्मू के सांबा ज़िले में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास जंगली इलाके में भारी हथियारों से लैस विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के आधार पर, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों ने तुरंत एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। हालांकि शुरुआत में आतंकवादी रात के अंधेरे का फ़ायदा उठाकर बच निकलने में कामयाब रहे, लेकिन पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच (उप-मंडल पुलिस अधिकारी बॉर्डर) और निरीक्षक अजय सिंह चिब (थाना प्रभारी पुलिस स्टेशन राजबाग) की अगुवाई वाली टीमों ने ज़मीनी जानकारी और लगातार पीछा करने की बदौलत उनकी भागने की राह को ऊबड़-खाबड़ बनी-बसोली-बिलावर क्षेत्र तक सीमित कर दिया। 26-27 मार्च 2025 की रात को, लगातार तलाशी अभियान और मानवीय सूचना से सोफ़्ट और जोथाना के घने जंगलों वाले गांवों में आतंकवादियों के छिपे होने की संभावना का पता चला। वरिष्ठ अधिकारियों के बेहतरीन तालमेल से रणनीतिक जगहों पर कई जगह घात लगाकर हमले की तैयारी की गई। पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच और निरीक्षक अजय सिंह चिब की अगुवाई वाली टीमों ने जिनमें हेड कॉन्स्टेबल जगवीर सिंह, एस.जी.सीटी जसवंत सिंह, एस.जी.सीटी तारिक हुसैन और एस.जी.सीटी बलविंदर सिंह शामिल थे- इलाके के अंदर सबसे ज़्यादा जोखिम वाली और खतरनाक जगहों पर मोर्चा संभाला।

27 मार्च 2025 को सुबह 9 बजे, एक रणनीतिक रूप से बेहतर जगह पर छिपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ये आतंकवादी बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित-भारी हथियारों से लैस तथा पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' से जुड़े थे। अचानक हुए ज़बरदस्त हमले से घबराए बिना, पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच और निरीक्षक अजय सिंह चिब के नेतृत्व वाली टीमों ने मज़बूत हौसले और अदम्य साहस के साथ जवाबी कार्रवाई की और भारी गोलीबारी के बीच अपनी जगह डटे रहे। इसके बाद हुई भीषण मुठभेड़ और ग्रेनेड हमलों में हेड कॉन्स्टेबल जगवीर सिंह, एस.जी.सीटी जसवंत सिंह, एस.जी.सीटी तारिक हुसैन और एस.जी.सीटी बलविंदर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और गंभीर घावों के कारण दम तोड़ दिया। आतंकवादियों को रोके रखने और उन्हें ख़त्म करने में उनके सर्वोच्च बलिदान की अहम भूमिका थी। गोली और छर्रे से घायल होने के बावजूद, पुलिस उपाधीक्षक धीरज सिंह कटोच असाधारण दृढ़ संकल्प के साथ अपनी जगह डटे रहे, जबकि निरीक्षक अजय सिंह चिब, जिन्हें कोई चोट नहीं आई थी, अटल संयम और बहादुरी के साथ अपनी टीम का नेतृत्व जारी रखा। घेराबंदी को अन्य बलों की मदद से और मजबूत किया गया, जिसके परिणामस्वरूप दो विदेशी आतंकवादियों को मार गिराया गया और भारी मात्रा में हथियार व युद्ध से जुड़ी सामग्री बरामद की गई; इनमें एक M4 राइफल, दो AK-47 राइफलें, ग्रेनेड, ₹1.5 लाख की भारतीय मुद्रा, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और राशन शामिल थे।

निडर नेतृत्व, असाधारण वीरता और ऑपरेशन की सफलता में अहम योगदान के लिए धीरज सिंह कटोच, पुलिस उपाधीक्षक JKPS125836 और अजय सिंह चिब, निरीक्षक EXJ006226 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

16. ARP985561 पुलिस उप-अधीक्षक सुखवीर सिंह, जम्मू और कश्मीर पुलिस

17. EXJ986313 सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद, जम्मू और कश्मीर पुलिस

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख 28 सितम्बर 2024)

बडनोटा के पास आर्मी की पेट्रोलिंग पार्टी पर हुए हमले, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे, के बाद मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए 28 सितंबर 2024 को सुबह करीब 11 बजे खबर मिली कि कठुआ जिले के धनुपरोल गांव में एक घर में जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादियों का एक समूह मौजूद है। यह भी पता चला कि वे पास के ही एक मतदान केंद्र पर हमला करने की योजना बना रहे थे, जहां दो दिन बाद मतदान होना था। इस जानकारी के आधार पर, पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह, सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद और हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद समेत पुलिस कमांडो की एक टीम और सेना व सीआरपीएफ की टुकड़ियों ने मिलकर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

टीम दो समूहों में बंट गई; एक समूह की कमान पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह के पास थी, और दूसरे समूह में सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद और हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद समेत अन्य लोग शामिल थे। घर पर करीब छह घंटे तक नज़र रखने के बाद, शाम के समय पहले समूह ने घर के अंदर कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखीं। उन्होंने तय किया कि वे घर की अच्छी तरह तलाशी लेंगे, जबकि दूसरे समूह ने भागने के रास्ते को अवरोधित कर दिया। जैसे ही समूह संदिग्ध घर की ओर बढ़ा, खतरा भांपकर आतंकवादी अचानक बाहर निकल आए और भागने की कोशिश में उन्होंने संयुक्त तलाशी समूह पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद, जिनके पास लाइट मशीन गन थी, ने उन्हें रोके रखा और पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। यह समझते हुए कि हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद ही मुख्य बाधा हैं, उन्होंने M-4 जैसे

आधुनिक हथियारों से उन्हें निशाना बनाया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जब बाकी सदस्य उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे, तो आतंकवादियों को भागने का मौका मिल गया। पुलिस उपाधीक्षक सुखवीर सिंह और सहायक उप-निरीक्षक नियाज़ अहमद ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान वे भी गोली लगने से घायल हो गए। हालांकि, अंधेरे और ऊबड़-खाबड़ इलाके का लाभ उठाकर चार आतंकवादी मुठभेड़ वाली जगह से भाग निकले। बाद में, मुठभेड़ वाली जगह और घर की तलाशी लेने पर एक खतरनाक विदेशी आतंकवादी का शव और युद्ध में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद हुआ। तीनों घायल पुलिसकर्मियों को वहां से निकाला गया, लेकिन गंभीर रूप से घायल हेड कॉन्स्टेबल बशीर अहमद ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मौत के साये में भी अपने कर्तव्य से कहीं बढ़कर असाधारण साहस दिखाने और बहादुरी व बलिदान की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने के लिए, सुखवीर सिंह पुलिस उपाधीक्षक ARP985561 व नियाज़ अहमद, सहायक उप-निरीक्षक (वर्तमान उप-निरीक्षक) EXJ986313 को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

18. 75939 उप कमांडेंट अंजनी कुमार, 209 CoBRA, CRPF

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 20 अप्रैल 2025)

श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट ने झारखंड के बोकारो जिले के लुगुबुरु वन क्षेत्र में संचालित ऑपरेशन डाकाबेड़ा की अभूतपूर्व सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पूरे अभियान में उन्होंने अनुकरणीय नेतृत्व, दूरदर्शी सामरिक सूझबूझ तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अत्यंत दुर्गम एवं चुनौतीपूर्ण भू-भाग में संचालित अभियान में भारी हथियारों से लैस नक्सलियों के निरंतर खतरे, घात लगाकर किए जाने वाले हमलों, बारूदी सुरंगों तथा आईईडी जैसे गंभीर जोखिमों के बावजूद उन्होंने असाधारण धैर्य, साहस एवं रणनीतिक कौशल का परिचय देते हुए अभियान का प्रभावी नेतृत्व किया।

जैसे ही उनके नेतृत्व में स्ट्राइक पार्टी संदिग्ध लक्ष्य क्षेत्र के समीप पहुँची, सुदृढ़ एवं रणनीतिक रूप से सुरक्षित स्थान पर मोर्चाबंद नक्सलियों ने उन पर घातक हमला कर दिया। विषम व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट एवं उनके साथी ने अद्वितीय सामरिक कौशल एवं अदम्य साहस का परिचय देते हुए अत्यंत सटीक एवं निर्णायक जवाबी कार्रवाई की। तीव्र गोलीबारी के बीच रेंगते हुए वे नक्सलियों के मोर्चे तक पहुँचे और जवानों/पार्टी को निशाना बना रहे एक नक्सली को मार गिराया। इस कार्रवाई से शेष नक्सलियों को इलाके से भागने को विवश होना पड़ा।

गोलीबारी के दौरान भाग रहे नक्सलियों का पीछा करते समय स्ट्राइक टीम के सिपाही / जीडी ललजीत वी. के हथियार में खराबी आने के कारण वे खुले / बिना आड़ वाले क्षेत्र में अत्यंत जोखिमपूर्ण स्थिति में आ गए थे। श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट ने अपने प्राणों की परवाह किए वगैर सिपाही/जीडी दीपक साह को कवर फायर का आदेश दिया और स्वयं भीषण गोलीबारी के बीच रेंगते हुए आगे बढ़कर अपने सहकर्मी को सुरक्षित निकाला। चौतरफा गोलीबारी के बीच भी उन्होंने अदम्य साहस, असाधारण सामरिक कौशल एवं सूझबूझ का परिचय देते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए तथा जवानों/पार्टी के बीच प्रभावी समन्वय बनाए रखा।

एक अत्यंत जोखिमपूर्ण मुठभेड़ के दौरान श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट एवं उनके साथी ने गुफा में छिपे एक नक्सली को नजदीकी मुठभेड़ में मार गिराया। अपने कमांडर के मारे जाने के बावजूद नक्सलियों ने उग्र जवाबी हमला किया। श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट ने अदम्य साहस के साथ अपनी टीम का मनोबल बनाए रखा और अंततः सटीक निशानेबाजी करते हुए तीसरे नक्सली को भी मार गिराया।

संपूर्ण अभियान के दौरान श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट ने उत्कृष्ट सामरिक सूझबूझ, प्रभावी नेतृत्व तथा अद्वितीय वीरता का परिचय दिया। उनके साहसिक एवं निर्णायक कार्यों के परिणामस्वरूप तीन प्रमुख नक्सलियों, जिनमें एक CCM एवं एक SZCM शामिल था, को मार गिराया गया, जिससे अभियान की समग्र सफलता में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अभियान के दौरान कुल 08 नक्सली मारे गए, 01 नक्सली को जीवित गिरफ्तार किया गया तथा 14 हथियार बरामद किए गए। अपनी टीम को सुरक्षित रखते हुए यह उपलब्धि हासिल करना उनकी असाधारण सामरिक दक्षता, सूझबूझपूर्ण नेतृत्व एवं सुनियोजित तथा सटीक कार्रवाई का परिचायक है।

अत्यंत विषम एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में दृढ़ नेतृत्व, असाधारण पराक्रम तथा अदम्य वीरता का परिचय देने के लिए 209 कोबरा के श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

19. 175322662 सिपाही/जीडी दीपक साह, 209 CoBRA, CRPF

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 20 अप्रैल 2025)

सिपाही/जीडी दीपक साह ने झारखंड के बोकारो जिले के लुगुबुरु वन क्षेत्र में संचालित 'ऑपरेशन डाकाबेड़ा' में स्ट्राइक पार्टी के एक महत्वपूर्ण सदस्य तथा ऑपरेशन कमांडर श्री अंजनी कुमार, उप कमांडेंट के साथी (बड़ी) के रूप में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भीषण मुठभेड़ के दौरान सिपाही/जीडी दीपक साह ने अपने कमांडर के साथ अदम्य साहस, असाधारण वीरता एवं कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए तीन नक्सलियों को मार गिराया तथा ऑपरेशन की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

जब स्ट्राइक पार्टी संदिग्ध नक्सलियों के समीप पहुँची, तभी छिपे हुए नक्सलियों ने अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने कमांडर के आदेश पर सिपाही/जीडी दीपक साह ने अदम्य साहस एवं अद्वितीय वीरता का परिचय देते हुए बाएँ फ्लैंक से निर्भीकतापूर्वक आगे

बढ़कर प्रभावी जवाबी कार्रवाई की और अपने साथी (बड्डी) के साथ नक्सलियों के पास पहुँच गए। असाधारण शौर्य एवं साहस का परिचय देते हुए उन्होंने पेड़ की आड़ से गोलीबारी कर रहे एक नक्सली को मार गिराया। जवाबी कार्रवाई से विचलित होकर शेष नक्सली छिटपुट फायरिंग करते हुए भाग निकले।

नक्सलियों का पीछा करते समय सिपाही/जीडी लालजित वी. के व्यक्तिगत हथियार में खराबी आने के कारण वे खुले / बिना आड़ वाले क्षेत्र में फंस गए। ऐसी विषम एवं संकटपूर्ण परिस्थिति में सिपाही/जीडी दीपक साह ने अदम्य साहस, उत्कृष्ट साथीभाव एवं बहादुरी का परिचय देते हुए अपने साथी (बड्डी) के साथ रेंगते हुए आगे बढ़कर प्रभावी कवर फायर एवं मदद करते हुए अपने साथी (बड्डी) की सुरक्षा सुनिश्चित की।

हमला जारी रखते हुए सिपाही/जीडी दीपक साह घेराबंदी के मध्य भाग में निर्भीकतापूर्वक आगे बढ़े, जहाँ चट्टानों एवं एक गुफा में छिपे नक्सलियों द्वारा उनकी ओर गोलियों की बौछार की जा रही थी। उन्होंने अपने साथी (बड्डी) के साथ 'फायर एंड मूव' रणनीति का कुशलतापूर्वक प्रयोग करते हुए नक्सलियों के साथ करीबी मुठभेड़ में नक्सली कमांडर को मार गिराया। नक्सलियों के बढ़ते हमले के बावजूद, दोनों ने अदम्य साहस एवं दृढ़ संकल्प के साथ जवाबी कार्रवाई जारी रखी और समन्वित हमला करते हुए तीसरे नक्सली को भी मार गिराया। इस प्रकार, सिपाही/जीडी दीपक साह ने अपने अटूट साहस, असाधारण वीरता एवं ऑपरेशनल प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट परिचय दिया।

अत्यंत विषम व प्राणघातक परिस्थितियों में प्रदर्शित उनकी असाधारण वीरता, अदम्य साहस एवं कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण के लिए 209 कोबरा के सिपाही/जीडी दीपक साह को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया गया है।

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 79-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "बारूक सेना मेडल/ आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-80335एच मेजर डी एस पाओशो, सेना मेडल, 7 मद्रास
2. आईसी-83875एम मेजर अनुज महाजन, सेना मेडल, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 36 असम राईफल्स
3. आईसी-87111एल मेजर कृष्ण कांत, सेना मेडल, 21 पैरा (विशेष बल)
4. टीजे-7220एम सुबेदार रमेश कुमार, सेना मेडल, 159 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
5. जेसी-415468वाई नायब सुबेदार राजेंद्र सिंह, सेना मेडल, 2 पैरा (विशेष बल)

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 80-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/ आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. आईसी-68017एम लेफ्टिनेंट कर्नल पुष्कर विजय चौधरी, 27 (स्वतंत्र) आर एंड ओ फ्लाईट
2. आईसी-74505एल लेफ्टिनेंट कर्नल सोनाम तोपदेन भुटीया, 2/8 गोरखा राईफल्स
3. आईसी-78347वाई मेजर सुधांशु शेखर पानी, 10 पैरा (विशेष बल)
4. आईसी-79207वाई मेजर मोहित पोडिया, दि तोपखाना रेजिमेंट, 37 असम राईफल्स
5. आईसी-81637एफ मेजर आर साहिल, दि गढ़वाल राईफल्स, 33 असम राईफल्स
6. आईसी-81799एम मेजर बालेन्दु कुमार झा, 24 ग्रेनेडियर्स
7. आईसी-83375पी मेजर रवि शंकर जोशी, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
8. आईसी-83402एन मेजर रूपम दास, 8 बिहार
9. आईसी-84854एच मेजर अर्नव बाली, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 9 राष्ट्रीय राईफल्स
10. आईसी-85096एच मेजर अंशुमन रंजन, 4 पैरा (विशेष बल)
11. एसएस-50193एफ मेजर अरविन्द कुमार, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 33 असम राईफल्स

12. आईसी-85703डब्ल्यू कैप्टन करन सिंह चीमा, दि असम रेजिमेंट, 59 राष्ट्रीय राईफल्स
13. आईसी-85766वाई कैप्टन हरीश सिंह देवाली, दि मराठा लाईट इनफैंट्री, 17 राष्ट्रीय राईफल्स
14. आईसी-85825ए कैप्टन मोहित रावत, दि सिग्नल कोर, 44 असम राईफल्स
15. आईसी-89386एक्स कैप्टन अंशुमान सिंह, 11 पैरा (विशेष बल)
16. आईसी-89629एक्स कैप्टन बाने स्वराज सुधीर, 21 पैरा (विशेष बल)
17. आईसी-89864डब्ल्यू कैप्टन पृथ्वीराज जयसिन्हा निघोत, 21 पैरा (विशेष बल)
18. आईसी-90222एन कैप्टन साविक, 5/9 गोरखा राईफल्स
19. आईसी-90771एन लेफ्टिनेंट भानु प्रताप सिंह, 12 डोगरा
20. आईसी-91460एम लेफ्टिनेंट अमन पाण्डे, 8 बिहार
21. एआर-422एल असिस्टेंट कमांडेंट बिकाश राय, 11 असम राईफल्स
22. जेसी-414522पी सुबेदार पवन कुमार, 11 पैरा (विशेष बल)
23. जेसी-414902एन सुबेदार प्रभात गौर, 10 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)
24. जेसी-462184ए सुबेदार कनसे नामदेव बालकृष्णा, 18 मराठा लाईट इनफैंट्री
25. जेसी-512278डब्ल्यू सुबेदार बलजिंदर सिंह, 7 सिख लाईट इनफैंट्री
26. जेसी-534323एक्स नायब सुबेदार दयाल सिंह, दि गढ़वाल राईफल्स, 36 राष्ट्रीय राईफल्स
27. 13629139एक्स हवलदार एल जोएल कॉम, 21 पैरा (विशेष बल)
28. 2805482एक्स हवलदार मुल्ला अबिदअली अशरफअली, 18 मराठा लाईट इनफैंट्री
29. 13627760के लांस हवलदार पलाश घोष, 5 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)
30. 2708808वाई नायक अली मोहम्मद खान, 24 ग्रेनेडियर्स
31. 13633700एल लांस नायक सुजय घोष, 5 पैरा (विशेष बल) (मरणोपरांत)
32. 2718494डब्ल्यू लांस नायक अभिमनु सिंह, 21 ग्रेनेडियर्स
33. 3211267एफ लांस नायक बीधा सिंह, दि जाट रेजिमेंट, 34 राष्ट्रीय राईफल्स
34. 4494501एच लांस नायक प्रितपाल सिंह, दि सिख लाईट इनफैंट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
35. 4495410एल सिपाही हरमिंदर सिंह, दि सिख लाईट इनफैंट्री, 19 राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
36. 13635609एन पैराट्रूपर हिमांशु कुमार, 21 पैरा (विशेष बल)

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 81-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल /नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 06451-के कमांडर विनीत शर्मा
2. 05739-टी कमांडर युवराज कुमार
3. 233134-ए सी अविनाश अण्णासौ, पीओए (एफडी)

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 82-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण साहसपूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल /एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं:—

1. 28651, ग्रुप कैप्टन राहुल जगोता, उड़ान (पायलट)
2. 29023, ग्रुप कैप्टन राहुल रावत, उड़ान (पायलट)
3. 30734, विंग कमांडर आशीष राजपूत, उड़ान (पायलट)
4. 36829, फ्लाइट लेफ्टिनेंट (वर्तमान में स्क्वाड्रन लीडर) यश, उड़ान (पायलट)
5. 721298, मास्टर वारंट अफसर रविन्द्रजीत सिंह, पैरा जंपिंग अनुदेशक

एस. एम. समी
उप सचिव

सं. 83-प्रेज/2026—राष्ट्रपति महोदया, सेनाध्यक्ष, नौसेनाध्यक्ष, वायुसेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा "मेंशन इन डिस्पेच" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/ कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:—

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-69047डब्ल्यू कर्नल रनवीर सिंह, 207 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (यू एच)
2. आईसी-69987एफ लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक जोशी, सेना मेडल, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
3. आईसी-74954ए लेफ्टिनेंट कर्नल हिमांशु शर्मा, 21 काउंटर इंसरजेंसी इंटेलिजेंस यूनिट
4. आईसी-75641एन लेफ्टिनेंट कर्नल अदित्या जसरोटिया, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
5. आईसी-79123एल मेजर देवश्री अरविंद शर्मा, 25 मद्रास
6. आईसी-79662एफ मेजर कुनाल नरूला, 662 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
7. आईसी-80192एन मेजर स्वपनिल श्रीवास्तव, दि राजपुताना राईफल्स, 9 राष्ट्रीय राईफल्स
8. आईसी-83504के मेजर अक्षय सिंह, दि डोगरा रेजिमेंट, 11 राष्ट्रीय राईफल्स
9. आईसी-84218पी मेजर अरूण, दि तोपखाना रेजिमेंट, 11 राष्ट्रीय राईफल्स
10. आईसी-84395पी मेजर अब्दुलअसीस एम, दि मैकेनाइज्ड इन्फैन्ट्री, 26 राष्ट्रीय राईफल्स
11. आईसी-85338ए मेजर रोहित शर्मा, 290 फील्ड रेजिमेंट
12. एमएस-21865ए कैप्टन मुनिराज टी, दि सेना चिकित्सा कोर, 19 राष्ट्रीय राईफल्स
13. ईएक्सजे-956517 डिप्टी सुप्रिंटेंडेंट ऑफ पुलिस सुल्तान महमूद, जम्मू और कश्मीर पुलिस
14. जेसी-414731एम सुबेदार मनोज कुमार, 4 पैरा (विशेष बल)
15. जेसी-454477डब्ल्यू नायब सुबेदार करमबीर, 21 ग्रेनेडियर्स
16. 12944920एक्स हवलदार ऐजाज अहमद, 159 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
17. 12945003ए नायक मुकेश सिंह, 159 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
18. 18014594ए नायक रोशन कुमार, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 3 राष्ट्रीय राईफल्स
19. 20005129एम नायक रजत शर्मा, 12 डोगरा
20. 4092968एफ नायक नंदन सिंह गुसाई, 4 पैरा (विशेष बल)
21. 16030157एक्स राईफलमैन रणजीत सिंह, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स
22. 4104258वाई राईफलमैन रमेश सिंह, दि गढ़वाल राईफल्स, 36 राष्ट्रीय राईफल्स
23. 4214463एच राईफलमैन गोविन्द सिंह, दि राजपुताना राईफल्स, 57 राष्ट्रीय राईफल्स

24. 13635430ए पैराटूपर मधुकर शैलेश चौगुले, 2 पैरा (विशेष बल)
25. सी071 आर्मी डॉग टायसन, दि रिमाउंट वेटरनरी कोर, 2 पैरा (विशेष बल)
ऑपरेशन स्त्रो लियोपार्ड
26. आईसी-75976एल लेफ्टिनेंट कर्नल सुहेल सिंह गिल, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
27. आईसी-76614डब्ल्यू लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश वशिष्ठ, 301 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (एस ओ)
28. आईसी-82536ए मेजर अभिमन्यु यादव, 16 पंजाब
29. आईसी-87109एन मेजर राजीव मील, 203 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (यू एच)
30. एसएस-50476एच मेजर अभिषेक अर्जुन, दि गढ़वाल राईफल्स, 666 आर्मी एविएशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
31. एसएस-51142ए मेजर राहुल मेहता, दि तोपखाना रेजिमेंट, हेडक्वार्टर स्पेशल फ्रंटियर फोर्स
32. आईसी-85309एल कैप्टन मोहित गंजू, दि असम रेजिमेंट, 59 राष्ट्रीय राईफल्स
33. आईसी-88982एक्स कैप्टन गौरव कुमार, 60 कवचित रेजिमेंट
ऑपरेशन हिफाजत
34. आईसी-86612वाई लेफ्टिनेंट कर्नल सुबम किनोबाबू सिंह, सेना मेडल, 2 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
35. आईसी-77695एन मेजर निकम निखिल जनारदन, 2/8 गोरखा राईफल्स
36. आईसी -79855एफ मेजर अमित नैन, 19 गढ़वाल राईफल्स
37. आईसी -80902ए मेजर अभिषेक कुमार सिंह, 2 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
38. आईसी -82557डब्ल्यू मेजर विशाल राणा, 2 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
39. आईसी -84276वाई मेजर सी साई विवेक, सेना मेडल, दि तोपखाना रेजिमेंट, 33 असम राईफल्स
40. एसएस-49621एच मेजर जुबैर अहमद इतु, दि कोर ऑफ इंजीनियर्स, 19 असम राईफल्स
41. एसएस-49862एच मेजर राजकुमार संजीव, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 31 असम राईफल्स
42. एसएस-50624एच मेजर शर्मा तनुज दिलीप, 2 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
43. आईसी -89918एम कैप्टन अरुण कुमार सोलानिया, 2 महार
44. एसएस-52962वाई कैप्टन अथर्व श्रीरंग जाधव, 5/9 गोरखा राईफल्स
45. आईसी -91155ए लेफ्टिनेंट शिवम पाण्डेय, 2 जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री
46. जेसी-414867डब्ल्यू सुबेदार तिल बहादुर डांगी, 21 पैरा (विशेष बल)
47. जेसी-572250ए सुबेदार अमित कुमार, 2 महार
48. जेसी-572868वाई सुबेदार जरनेल सिंह, 2 महार
49. 13004054वाई हवलदार नेखोहाउ हाउकिप, 165 इन्फैन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना)
50. 4201986एच हवलदार देवेन्द्र सिंह नेगी, 21 पैरा (विशेष बल)
51. 4583520एच हवलदार डोंगरे गुलाबराव शामराव, 2 महार
52. 4095561डब्ल्यू नायक कपिल देव, 21 पैरा (विशेष बल)
53. 4583294डब्ल्यू नायक सुनील कुमार, 2 महार
54. 13633877वाई लांस नायक बिन्नर योगेश पोपट, 21 पैरा (विशेष बल)
55. 19012325एल लांस नायक जसपुनीत सिंह, 22 सिख
56. 4295775डब्ल्यू सिपाही शुभम कुमार, 8 बिहार

57. 5763049एम राईफलमैन भोज बहादुर राणा मगर, 2/8 गोरखा राईफल्स
58. जी/5011830एल राईफलमैन एच यांग पंग शन्येई फोम, 22 असम राईफल्स
59. जी/5012902डब्ल्यू राईफलमैन देलबोर अली मंडल, 3 असम राईफल्स
60. जी/5033323एक्स राईफलमैन अदेपु राकेश, 3 असम राईफल्स
61. 13635241डब्ल्यू पैराट्रूपर राहुल कुमार यादव, 21 पैरा (विशेष बल)
62. ए2100595के अग्निवीर हरिओम, 2 महार
63. ए2100682एक्स अग्निवीर कृष्ण कुमार, 2 महार

ऑपरेशन ऑर्चिड

64. आईसी -79930ए मेजर देवाशिष पुष्टि, दि कवचित कोर, 13 असम राईफल्स
65. एसएस-50101के मेजर लक्ष्मदीप कंकर, दि सेना वायु रक्षा, 4 असम राईफल्स
66. 13634623एन पैराट्रूपर बिकाश ककाटी, 11 पैरा (विशेष बल)
67. 14948636एल पैराट्रूपर योग राज, 11 पैरा (विशेष बल)
68. 4385264एन पैराट्रूपर लालटन सांगा, 11 पैरा (विशेष बल)
69. 4593282पी पैराट्रूपर दीपचन्द कार्गवाल, सेना मेडल, 21 पैरा (विशेष बल)

ऑपरेशन मेघदूत

70. आईसी -79388पी मेजर देवेश भन्डारी, 666 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
71. एसएस-51489एम मेजर ऋषिकेश पाठक, 24 पंजाब
72. 13773935पी हवलदार नरेश शर्मा, 18 जम्मू और कश्मीर राईफल्स

ऑपरेशन फाल्कॉन

73. आईसी -74051एच लेफ्टिनेंट कर्नल विकास पाण्डेय, 667 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)
74. आईसी -81183वाई मेजर कार्तिक यादव, दि सेना वायु रक्षा, 667 आर्मी एविऐशन स्क्वार्डन (आर एंड ओ)

मिशलेनियस ऑपरेशन

75. आईसी-55075एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित सिंह साही, दि आसूचना कोर (सेवानिवृत्त)

नौ सेना

1. 06560-एच कमांडर निखिल चुघ
2. 10450-जेड लेफ्टिनेंट अजय जोस एन जोसेफ
3. एन1004055-डब्ल्यू अश्विन सन्तोष, एवीआर सी (सीडी)
4. 264485-बी अभिषेक सी धनवाडे, सी I (सीडी)

वायु सेना

1. 28677, विंग कमांडर आर एल नागेश कुमार, उड़ान (पायलट)
2. 29708, विंग कमांडर सि आर प्रदीप, उड़ान (पायलट)
3. 29944, विंग कमांडर अम्मार हैदर नक्रवी, उड़ान (पायलट)
4. 30803, विंग कमांडर मनोज पुरी गोस्वामी, प्रशासन/ एयर ट्रेफिक कंट्रोलर
5. 35571, स्क्वाड्रन लीडर कुन्दारपु कौशिक, उड़ान (पायलट)
6. 35991, स्क्वाड्रन लीडर अविरल गाँधी, उड़ान (पायलट)

7. 38321, फ्लाइट लेफ्टिनेंट पार्थसारथी मुलेय, उड़ान (पायलट)
8. 717826, मास्टर वारंट अफसर ब्रह्म प्रकाश, पैरा जंपिंग अनुदेशक (सेवानिवृत्त)
9. 780474, मास्टर वारंट अफसर अनूप सिंह, पैरा जंपिंग अनुदेशक
10. 977058, कार्पोरल मोहन लाल सैनी, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा)

एस. एम. समी
उप सचिव

शिक्षा मंत्रालय
(उच्चतर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 2026

सं. 3-6/2021-संस्कृत.।—महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (एमएसआरवीवीपी), उज्जैन के संगम ज्ञापन (एमओए) के नियम 18(i) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री प्रल्हाद जोशी, प्रोफेसर (सेवानिवृत्त) हृदय रंजन शर्मा, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं आजीवन विशिष्ट प्रोफेसर, वेद विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को 2 सितंबर, 2026 से महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (एमएसआरवीवीपी), उज्जैन, मध्य प्रदेश के उपाध्यक्ष के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

उपाध्यक्ष का कार्यकाल संगम ज्ञापन के नियम 18 तथा अन्य प्रावधानों के अंतर्गत निर्धारित सेवा निबंधनों व शर्तों के अधीन, प्रतिष्ठान के अध्यक्ष के कार्यकाल के सहकालिक होगा।

श्रेयांश मोहन
उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2026

No. 76- Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Kirti Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of conspicuous gallantry:—

1. IC-76640X LIEUTENANT COLONEL MANEO FRANCIS PF, SC, 21st BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 29 October-04 November 2025)

Lieutenant Colonel Maneo Francis PF, SC, the Assault Team Commander of a Parachute Regiment (Special Forces), swiftly established a highly coordinated intelligence network to systematically dismantle anti-national elements fueling violence and division in Manipur.

After a several months of sustained intelligence development about a high profile violent insurgent group and target specific team training, he launched a coordinated operation to raid and dismantle the insurgents. Following seven days of protracted and intense surveillance the team approach the hide out and demanded the insurgent to peacefully surrender. The insurgent opened heavy automatic fire in denial. Lieutenant Colonel Francis maneuvered his assault group from the north of the hide out and successfully eliminated one sentry. Subsequently he outflanked another insurgent who had pinned down the entire assault group, the officer crawled under heavy fire with utter disregard to his safety and eliminated him in a close quarter combat with his superior combat skills.

For displaying resolute leadership, superior tactical acumen, the raw courage under fire in eliminating two heavy armed insurgents, meticulous planning, gallant and selfless acts, Lieutenant Colonel Maneo Francis PF, SC is awarded “KIRTI CHAKRA”.

2. IC-80956F MAJOR JITENDRA RATHEE, 2nd BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 22 February 2026)

Major Jitendra Rathee, a highly skilled Special Forces officer operating in Kishtwar region was entrusted with the mission of neutralising terrorist groups in the area.

On 22 February 2026, acting on precise intelligence regarding terrorist presence in a hideout in jungles of, district Kishtwar, Major Jitendra swiftly led his squad to the target. At 0800 hours, he expertly readjusted the cordon to seal all escape routes and started the search. Displaying exceptional courage, he moved dangerously close to the hideout and with remarkable presence of mind, he deployed canine ‘Tyson’ inside the hideout which drew heavy and indiscriminate terrorist fire. Undeterred and recognising imminent threat to his men and the canine, he delivered precise covering fire ensuring their safe extraction.

Exhibiting tactical brilliance under intense hostile fire, the officer maneuvered stealthily to an advantageous position, identified a hiding terrorist and with decisive action, lobbed incendiary grenades eliminating a terrorist and set fire to the hideout thereby trapping and injuring the other two terrorists. After cessation of fire, he closed in to take confirmatory shots neutralising total three foreign terrorists.

For his conspicuous bravery, indomitable spirit and exceptional leadership under fire, Major Jitendra Rathee is awarded ‘KIRTI CHAKRA’.

3. 13627256K HAVILDAR GAJENDRA SINGH, 2nd BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 18 January 2026)

Havildar Gajendra Singh serving as Intelligence Troop Havildar, focused relentlessly on a specific jungle area of Kishtwar District and confirmed it as primary terrorist hideout area.

On 18 January 2026, leading a search team in dense jungles at an altitude in excess of 3000 meter in Kishtwar, he detected a suspected hideout near a vertical cliff. Sensing threat, he advanced cautiously and ascertained terrorist presence at extremely close range. His challenge, promoted them to unleash a barrage of fire that wounded both scouts.

Fearlessly charging forward, Hav Gajendra evacuated the first scout to safety and administered vital life-saving first aid. Ignoring his own peril, he then extracted the second wounded comrade during which he sustained multiple bullet wounds. Only after securing both he did retreat to a safe zone from where despite profuse bleeding he re-engaged the terrorists and critically injured a most wanted foreign terrorist. Havildar Gajendra Singh succumbed to his injuries on site, embodying the Indian Army's finest traditions of selfless sacrifice and camaraderie.

For his extraordinary leadership, unyielding courage, bravery in saving his comrades' lives and incapacitated a foreign terrorist at ultimate personal cost, Havildar Gajendra Singh is awarded “KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

4. EXJ976018 HEAD CONSTABLE JAGBIR SINGH, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

5. EXJ006061 SELECTION GRADE CONSTABLE JASWANT SINGH, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

6. EXJ007020 SELECTION GRADE CONSTABLE BALVINDER SINGH, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

7. EXJ117461 SELECTION GRADE CONSTABLE TARIQ HUSSAIN, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 23 March 2025)

On 23 Mar 25, based on inputs from local villagers regarding the presence of heavily armed foreign terrorists in the forested region near the International Border in Jammu's Samba district, a joint operation by J&K Police and other security forces was promptly launched. Despite the terrorists initially evading contact under the cover of night, determined efforts by the teams, led by DSP Dheraj Singh Katoch, SDPO Border, and Insp. Ajay Singh Chib, SHO Police Station Rajbagh, supported by ground intelligence and tireless tracking, narrowed their escape trail into the rugged Bani-Basholi-Billawar belt. On the intervening night of 26/27 Mar 25, continuous search operation and human intelligence pinpointed the terrorists' likely presence in the thickly forested villages of Soffain and Jothana. Multiple ambushes were laid at strategic locations with meticulous coordination by senior officers. Teams led by DSP Dheraj Singh Katoch and Insp. Ajay Singh Chib, comprising HC Jagbir Singh, SgCt Jaswant Singh, SgCt Tariq Hussain, and SgCt Balvinder Singh, took on the most exposed and dangerous positions deep within the terrain.

At 0900 hrs on 27 Mar 25, the terrorists, concealed in a tactically superior position, opened indiscriminate fire. These terrorists were highly trained, heavily armed, and affiliated with the proscribed Pakistan-based outfit Jaish-e-Mohammad. Unfazed by the sudden and overwhelming onslaught, the teams specifically led by DSP Dheraj Singh Katoch and Insp. Ajay Singh Chib retaliated with resolute grit and raw courage, holding their ground under intense fire. In the ensuing fierce fire fight and grenade exchanges, HC Jagbir Singh, SgCt Jaswant Singh, SgCt Tariq Hussain, and SgCt Balvinder Singh were grievously injured and later succumbed to their wounds. Their supreme sacrifice was instrumental in pinning down the terrorists and their elimination. Despite sustaining bullet and splinter injuries, DSP Dheraj Singh Katoch steadfastly held his position with extraordinary resolve, while Insp. Ajay Singh Chib, though uninjured, continued to lead his team from the front with unwavering composure and bravery. The cordon was further reinforced by other forces, culminating in the successful neutralization of two foreign terrorists and recovery of a large cache of arms and war-like stores, including an M4 rifle, two AK-47 rifles, grenades, ₹1.5 lakh in Indian currency, electronic gadgets, and rations.

For displaying unparalleled bravery, selfless devotion to duty, and raw courage in the face of certain death, Late Jagbir Singh, Head Constable EXJ976018, Late Jaswant Singh, Sg Constable EXJ006061, Late Tariq Hussain, Sg Constable EXJ117461, and Late Balvinder Singh, Sg Constable EXJ007020 are awarded "KIRTI CHAKRA" (POSTHUMOUS).

8. ARP905515 HEAD CONSTABLE BASHIR AHMED, J&K POLICE (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 28 September 2024)

While following the leads received, post ambush on Army patrolling party near Badnota, in which five Army personnel got martyred, input was received on 28 Sep 24 at around 1100 h, regarding the presence of a group of Pakistani terrorists, belonging to Jaish-e-Mohammad outfit, in a house in village Dhanuparole in Kathua district. It was also learned that they were planning to attack a polling center nearby, which was going to the polls after two days. Acting on this tip-off, a posse of police commandos, including DSP Sukhvir Singh, ASI Niaz Ahmad & HC Bashir Ahmad, and contingents of Army & CRPF, launched a joint cordon and search operation.

The team split into two groups; one was led by DSP Sukhvir Singh, and the other included ASI Niaz Ahmad and HC Bashir Ahmad, among others. After keeping the house under surveillance for about six hours, the first team in the evening hours, observed some suspicious activities inside it, on which they decided to zero in and conduct a thorough search, while the other team placed a stop on the escape route. As the team started heading to the suspected house, sensing danger, terrorists suddenly came out and, in an attempt, to flee from the spot, they resorted to indiscriminate firing on the joint search team. However, HC Bashir Ahmad, who was holding a Light Machine Gun, pinned them down and forced them to retreat. Realizing the fact that HC Bashir Ahmad was the main hindrance, they pin-pointedly targeted him with their sophisticated weapons like M-4, leaving him critically injured. As the rest of the members tried to evacuate him, terrorists got an opportunity to slip away, which was resisted by DSP Sukhvir Singh and ASI Niaz Ahmad, who also sustained firearm injuries. However, taking benefit of darkness and rugged terrain, four terrorists fled away from the encounter site. Later, on the search of the scene of the encounter, including the house, one dead body of a dreaded foreign terrorist besides war-like stores was recovered. All the three injured policemen were evacuated, however, HC Bashir Ahmad, who was critically injured, succumbed en route.

For exhibiting exemplary courage in the face of death, beyond the call of duty and upholding the highest traditions of bravery and sacrifice, Late Bashir Ahmed, Head Constable ARP905515 is awarded "KIRTI CHAKRA" (POSTHUMOUS).

For his exemplary courage in the face of death, beyond the call of duty and upholding the highest traditions of bravery and sacrifice Head Constable Bashir Ahmad is awarded "KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)".

9. PNO 900770179 INSPECTOR SUNIL KUMAR, SPECIAL TASK FORCE (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 20 January 2025)

STF team led by Inspector Sunil Kumar, Meerut Unit, while collecting intelligence regarding hardened criminals PS Jhinjhana are of District Shamli got an input on 20.01.2025 that Arshad, a dreaded criminal and Muqem Kala gang, carrying a reward of ₹1,00,000/- was travelling in a white car from Haryana towards Chausana via Bidoli to commit a sensational crime.

Inspector Sunil Kumar immediately activated his team and took strategic position at the Bidoli–Chausana intersection. At about 2300 hrs, the suspected vehicle was spotted coming from Haryana. When attempted to stop, the occupants fled towards Chausana at high speed. The STF team intercepted the vehicle near Udaipur Brick Kiln. When challenged to surrender, the criminals opened indiscriminate fire. Displaying exceptional courage and complete disregard for his own safety, Inspector Sunil Kumar entered the firing attempted to apprehend the armed criminals. Having no alternative STF returned controlled fire to neutralise the threat. After the exchange of fires, three injured criminals inside the vehicle were identified as Arshad, Manjit @ Dhillia @ Zuber and Manvir, while the fourth injured criminal Satish was apprehended nearby. The injured criminals were taken to hospital to save their lives but they subsequently succumbed to their injuries. During the encounter Inspector Sunil Kumar was seriously injured by a burst of fire. Despite best medical treatment at Medanta Hospital, Gurugram, he succumbed to his injuries on 22.01.2025.

In lieu of exemplary courage and bravery and supreme devotion to duty and sacrifice, Inspector Sunil Kumar has been awarded KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS).

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 77-Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Shaurya Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

1. IC-87240L MAJOR ADITYA PRATAP SINGH, SC, SM, THE RAJPUTANA RIFLES/ 44 ASSAM RIFLES

(Effective date of Award: 05 July 2025)

On 05 July 2025, Major Aditya Pratap Singh, SC, SM led his team on a patrol on an isolated track along Indo-Myanmar border through a thickly forested treacherous terrain. At 0445 hours, the patrol came under intense automatic and grenade fire from insurgents.

Displaying exceptional courage, presence of mind and tactical acumen, the officer retaliated with lightning speed and sensing danger to his scout, he pulled him to cover and had a close shave with insurgents’ fire hitting his backpack. Unmindful of the grave risk to his own life and in a display of unparalleled resilience and raw courage, the officer crawled forward under heavy fire sustaining splinter injuries while closing in with the insurgents. Undeterred by his injuries and with utter disregard to personal safety, he charged towards the insurgent stronghold amidst incoming fire. Displaying superlative field craft, he lobbed a grenade and engaged with accurate fire, eliminating a most wanted top operational commander of a high profile insurgent group at close quarters recovering huge cache of war like stores.

For displaying indomitable courage despite injuries and conspicuous bravery beyond the call of duty, Major Aditya Pratap Singh, SC, SM is awarded “BAR TO SHAURYA CHAKRA”.

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 78- Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Shaurya Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

1. IC-78412N MAJOR PARAMVEER, THE GARHWAL RIFLES/ 36th BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 26 Aug 2025)

Major Paramveer led an ambush in a Nala along the LC in general Area Machhadi. Demonstrating outstanding tactical appreciation of terrain, he sited his ambush at a daring range of 15–20 meters from the killing ground, employing concealment to achieve total surprise.

As the terrorists moved into the killing ground, he with exemplary composure, sprang the ambush with devastating effect, bringing down accurate fire engaging all three terrorists effectively. One terrorist attempting escape despite injuries, jumped downhill. With utter disregard to personal safety, Major Paramveer broke cover, pursued and neutralised the terrorist.

During follow-up search, he demonstrated keen observation, spotted and eliminated second terrorist who was concealed behind dense bushes on the far bank of Naushera Nar. Thereafter, he identified the third terrorist behind a boulder and ordered his elimination. The operation also led to the recovery of huge war-like stores.

With resolute leadership Major Paramveer ensured complete destruction of the infiltrating group without own casualties. For his conspicuous gallantry and devotion to duty beyond the call, Major Paramveer is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

2. IC-83437K MAJOR TARUN VASUDEVAN, THE CORPS OF ENGINEERS/ 57th BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 13 October 2025)

Major Tarun Vasudevan, 57 Rashtriya Rifles Battalion (Rajputana Rifles) led ambush column from front, ensuring elimination of hardcore terrorists during a Counter Infiltration Operation.

On receiving specific intelligence inputs of likely infiltration/Border Action Team by terrorists, Major Tarun Vasudevan planned and led one of the ambush columns in the general area in close proximity to enemy post.

On being informed by scout about movement of two heavily armed terrorists, he displayed exceptional tactical acumen, raw courage and complete disregard to personal safety and ensured that terrorists were lured close to ambush location. He engaged the terrorists at close distance, resulting in heavy retaliation from terrorists who then tried to flee towards Shamshu Nar. However, he continued with close quarter battle and in ensuing intense firefight, eliminated one heavily armed hardcore terrorist. Not letting terrorist break contact, he continued to engage the other terrorist by firing on move and claymore firing, ensuring his elimination by next column.

For displaying unparalleled raw courage, resolute leadership, and impeccable tactical acumen with complete disregard to his personal safety resulting in elimination of two heavily armed hardcore terrorists, Major Tarun Vasudevan is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

3. IC-85497X MAJOR KESHAV KUMAR, 12th BATTALION THE DOGRA REGIMENT

(Effective date of Award: 02 February 2026)

Post the persistent efforts of Major Keshav Kumar during an Operation wherein one terrorist was eliminated, credible intelligence was received on 02 February 2026 regarding two terrorists in a forest. As Mission Commander of an Operation, Major Keshav Kumar displayed exceptional ingenuity by inducting through unlikely routes across treacherous terrain to achieve complete surprise. During the night, he tactically occupied likely escape routes, inching closer to the suspected hideout maintaining close surveillance over the area.

On the following morning, he initiated a deliberate search and personally cleared four caves narrowing down the suspected hideout, putting himself in grave danger to pressure the terrorist. When the terrorists opened indiscriminate fire, revealing their position, displaying composure under fire and maintaining inter-agency fire coordination, he continued to engage them, leading to elimination of one terrorist. With the second terrorist hold up inside the cave, his actions proved pivotal in preventing the terrorists escape and subsequent neutralization.

The neutralized terrorist, was later identified as Category A++ terrorist and was responsible for multiple killing of security personnel and civilians.

For the conspicuous gallantry and indomitable courage under fire, Major Keshav Kumar is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

4. IC-87542X MAJOR GAURAV SINGH BRIJWAL, 21 GRENADIERS

(Effective date of Award: 07 November 2025)

On 07 November 2025, during a Counter Infiltration Operation Major Gaurav Singh Brijwal was leading a 48-hours ambush ahead of the fence in proximity to the Line of Control. At last light, he was informed of a suspicious movement of three terrorists along the Line of Control. Displaying exceptional composure and tactical acumen, he allowed the terrorist group to reach close to his location in desired killing ground. After positively identifying the terrorists with their weapons, Major Gaurav with his accurate fire, injured the leading terrorist.

Sensing danger to his own troops due to retaliatory fire by the terrorists, he shifted his position under heavy fire with total disregard to his personal safety and neutralized the first terrorist at close range. Observing the remaining terrorists attempting to escape, he directed his covering party to engage them, effectively preventing their retreat. He then personally engaged and injured the second terrorist.

Major Gaurav exemplary combat leadership and tactical acumen under intense enemy fire led to the neutralization of two terrorists and elimination of an infiltration bid along the Line of Control. For his gallant action and devotion to duty, Major Gaurav Singh Brijwal is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

5. SS-50354Y MAJOR VIPEEN KUMAR, THE CORPS OF SIGNALS/ 11th BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 21 February 2026)

The officer displayed exceptional tactical skills and battlefield leadership during the counter-terrorist operation conducted on 21-22 February 2026 in Kishtwar District. Tasked with leading the inner cordon in extremely difficult jungle and mountainous terrain, he executed deliberate closing-in-drills under hostile conditions to reduce distance with well-entrenched terrorists.

On detection of hostile presence, he maneuvered his team through undergrowth and uneven ground, maintaining stealth while dominating escape routes. When the terrorists attempted to break contact, the officer led from the front and engaged them in a fierce close-quarter gunfight. In the intense exchange of fire, he accurately engaged and critically injured one terrorist, effectively pinning him down and disrupting any attempt to escape and kept him trapped in cordoned dhok, enabling the containment grid to tighten. His resolute leadership and maintenance of absolute surprise till establishment of close cordon has led to successful trapping of terrorists in a dhok and further led to neutralization of a dreaded terrorist in most challenging operational environments. Officer's decisive actions and exemplary leadership under fire reflect the highest standards of professionalism.

For his courage, exemplary leadership and utmost professionalism, Major Vipeen Kumar is awarded "SHAURYA CHAKRA".

6. JC-38391A NAIB SUBEDAR SHANKAR RAM, 3 ASSAM RIFLES

(Effective date of Award: 28 November 2025)

On 28 November 2025, Naib Subedar Shankar Ram displayed conspicuous gallantry when his Post in Imphal East district of Manipur came under intense fire from insurgents. Exhibiting nerves of steel and bravery of the highest order, he immediately retaliated by bringing accurate MMG fire on insurgent positions. During the ensuing fire-fight, he sustained a grievous injury to his left hand. Though bleeding profusely, with utter disregard to his personal safety, he refused evacuation and continued to exhort the troops to fight. Demonstrating indomitable courage and an unyielding fighting spirit, he switched to his personal weapon and single-handedly re-engaged insurgents under withering hostile fire despite grave danger. His resolute action resulted in critical injuries to six insurgents, thereby forcing them to retreat across the border.

Displaying exceptional presence of mind, he detected a hostile bomb-laden drone and immediately alerted troops thereby averted own casualties. His actions were instrumental in the recovery of two automatic weapons and war like stores.

For this daring action beyond the call of duty, Naib Subedar Shankar Ram is awarded "SHAURYA CHAKRA".

7. JC-415451L NAIB SUBEDAR DABBAL SINGH BISHT, 21st BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 04 November 2025)

Naib Subedar Dabbal Singh Bisht an experienced junior leader of the Special Forces demonstrated exceptional operational acumen and gallantry during the firefight with a violent insurgent group in the general area Churachandpur, Manipur.

On 04 November 2025, acting on specific intelligence inputs regarding the presence of heavily armed insurgent cadres in general area Churachandpur, the Junior Commissioned Officer led his troops to establish a cordon along with his Team Commander Lieutenant Colonel Maneo Francis PF, SC. Upon instructions from his Team Commander, Naib Subedar Dabbal Singh Bisht took cover alongside his squad when a group of armed cadres attempting to breach their cordon site. In the face of indiscriminate enemy fire and without regard to personal safety, Naib Subedar Dabbal Singh Bisht engaged them and trapped them in a kill zone. One cadre tried to out maneuver him from the West flank, with due diligence and tactical acumen, he crawled to a cover and engaged the cadre with precise and quick engagement. Despite being under heavy fire, his exceptional marksmanship and courageous pursuit resulted in pinning down one insurgent and injuring two insurgents and thereby eliminating one insurgent.

Tactical leadership and tactical brilliance of the junior commissioned officer was instrumental in thwarting the insurgents. For his extraordinary valour and leadership, going beyond call of duty, Naib Subedar Dabbal Singh Bisht is awarded "SHAURYA CHAKRA".

8. 13771448W HAVILDAR JAGATTAR SINGH, 4th BATTALION, THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

(Effective date of Award: 03 February 2026)

Havildar Jagattar Singh during an Operation displayed conspicuous gallantry and exemplary soldierly qualities in the dense and rugged terrain of general area Jofar Forest. On 02 February 2026, based on a credible intelligence input regarding

the presence of two hardcore terrorists, Havildar Jagattar Singh volunteered for covert tasks and along with his buddy, moved stealthily to observe, verify and track the hostile element operating in the area. Exhibiting outstanding Field Craft and composure, he maintained discreet surveillance, confirmed terrorist presence and facilitated timely induction of own troops, thereby enabling the operation to progress to a decisive stage.

On 03 February 2026, during the subsequent deliberate search and domination of the suspected hide, he tactically sited his squad to cover the most likely escape route and to deny breakout from the cave complex. In the ensuing engagement, the terrorists launched grenades and intense small arms fire from within the hide in an attempt to break the cordon and escape. Undeterred by direct enemy fire, Havildar Jagattar Singh maintained his position with exceptional calmness and vigilance. When one terrorist attempted to force an escape during the exchange of fire, he displayed raw courage, exemplary marksmanship and presence of mind, engaged the terrorist at close quarters and neutralised him instantly, despite the grave risk to his own life from continuing hostile fire and grenade blasts.

Thereafter, displaying unwavering devotion to duty, he continued to play a pivotal role in the clearance of the hide and advancing under threat, conducted a thorough search and assisted in the safe extraction of terrorist bodies and recoveries, ensuring successful culmination of the operation.

For his conspicuous gallantry, resolute courage under direct enemy fire and astute leadership, Havildar Jagattar Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

9. 16029546L LANCE NAIK NARENDER SINDHU, THE RAJPUTANA RIFLES/ 9th BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of Award: 08 September 2025)

During a Joint Search and Destroy Operation in the Forest area of district Kulgam Lance Naik Narender Sindhu displayed exceptional bravery and eliminated a hardcore terrorist while making supreme sacrifice.

On 08 September 2025, at 0815 hours, terrorists from a hideout opened indiscriminate fire on the search column and attempted escape. Despite indiscriminate fire, Narender Sindhu with his exemplary composure and tactical clarity, withheld his fire to avoid casualty to own search parties who were positioned inside the cordon. On detecting suspicious movement at close quarters, he boldly challenged the terrorist as per the rules of engagement. The terrorist retaliated with intense fire injuring Narender Sindhu. Despite grievously wounded in retaliatory fire, Narender Sindhu displayed raw courage and remarkable initiative, maneuvered under fire, re-adjusted his position and engaged the terrorist with accurate and lethal fire, killing him on the spot. The terrorist later identified as Category A+. Lance Naik Narender Sindhu was later evacuated but succumbed to his injuries.

For his act of indomitable courage, gallant action of the highest order and supreme sacrifice in the finest traditions of the Indian Army, Lance Naik Narender Sindhu is awarded “SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

10. 20003223X LANCE NAIK KAPIL DEV, THE DOGRA REGIMENT/ 11th BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of Award: 04 February 2026)

A Counter terrorist operation was launched on 14 January 2026 in General Area Kishtwar. During the operation, a massive hideout was busted on 18 January 2026, however terrorists managed to flee owing to dense forest. Post this, search operation was launched to neutralise terrorists who fled, wherein Lance Naik Kapil Dev was nominated to lead as scout of one of the Ghatak operation team.

At around 1815 hours, on 04 February 2026, Lance Naik Kapil Dev spotted a terrorist hiding in the densely forested area of Dichhar behind trees. Exhibiting exceptional courage and tactical skills, he inched closer alongwith his buddy towards the terrorist. Once in close proximity, unmindful of his personal safety as he was fired upon from two different directions by other terrorists, he engaged the terrorist with accurate fire. With bold and courageous actions, he eliminated one terrorist, ensured safety of own column and led to recovery of arms, ammunition and war like stores.

Upholding highest tradition of Indian Army, Lance Naik Kapil Dev displayed indomitable courage beyond the call of duty during the operation.

For his act of bravery in the face of enemy, Lance Naik Kapil Dev is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

11. 4498758L SEPOY JASWINDER SINGH, 7th BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY

(Effective date of Award: 23 January 2026)

Sepoy Jaswinder Singh demonstrated raw courage and mettle in eliminating armed foreign terrorist during high risk house intervention operation in remote village of Kathua district.

On 23 January 2026, despite heavy rainfall Sepoy Jaswinder Singh led an assault team with tactical audacity and excellent battle craft through dense foliage, approaching the target house with surprise. He ensured visual contact with support team and obtained positive confirmation of no civilian presence inside house. With utter disregard to personal safety, he led the deliberate search of house through alternate entry. He correctly appreciated presence of terrorist with weapon inside kitchen. Realizing grave danger to his team, Sepoy Jaswinder Singh swiftly dashed towards the terrorist and neutralised him with effective fire from personal weapon in close encounter. His presence of mind and sheer grit denied any reaction time to terrorist, thereby concluding the operation in merely few minutes.

The daring act by Sepoy Jaswinder led to neutralisation of one drafted terrorist responsible for numerous terrorist incidents in Kathua district since 2024 and recover of M-4 Assault Rifles including other warlike stores.

For conspicuous bravery, fearlessness and daring in eliminating a foreign terrorist, Sepoy Jaswinder Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

12. 10119-Y LIEUTENANT COMMANDER SHIVAM KUMAR

(Effective date of Award: 18 October 2025)

Lieutenant Commander Shivam Kumar, serving as the NBCD Officer onboard INS Trikanth, displayed exceptional courage and gallantry during Operation Sanchet in the Gulf of Aden on 18 October 2025. INS Trikanth was directed to render immediate assistance to MT Falcon, a Cameroon-flagged LPG tanker that had suffered a catastrophic explosion and major fire in the Houthis Attack Zone. The structurally damaged vessel was adrift, with an uncontrolled fire continuously fuelled by leaking LPG, creating an imminent risk of a devastating secondary explosion. Two Indian crew members were missing and presumed trapped onboard.

Fully aware of the extreme danger posed by explosive LPG vapours, toxic smoke, intense heat, oxygen-deficient compartments, weakened structures and the possibility of hostile action, Lieutenant Commander Shivam Kumar voluntarily led the high-risk operation. He repeatedly entered the burning and gas-filled compartments, conducting dynamic technical and risk assessments and guiding his team through severely damaged and smoke-filled spaces.

Displaying remarkable composure, professional competence and complete disregard for personal safety, he spearheaded repeated internal searches for the missing crew members. Despite prolonged exposure to toxic gases, extreme heat, physical exhaustion and intense psychological stress, he personally supervised and participated in the recovery of the dismembered and decomposed mortal remains from damaged compartments, ensuring their safe and dignified retrieval.

His fearless leadership and most conspicuous gallantry were instrumental in the successful completion of this extraordinarily hazardous operation, bringing immense credit while significantly enhancing the image of the Indian Navy as a resolute, capable and dependable maritime force. For his successful conduct of an extraordinarily hazardous rescue, Lieutenant Commander Shivam Kumar is awarded SHAURYA CHAKRA.

13. 34544, SQUADRON LEADER SUDHIR KUMAR, FLYING (PILOT)

(Effective date of Award: 09 September 2025)

On 09 September 2025, he was authorised to fly as captain of ac for a low-flying and low-level navigation sortie by night from the rear cockpit of the Su-30 MKI aircraft, accompanied by an Under Training (U/T) pilot in the front cockpit. During the recovery phase, at an altitude of 2.2 km and a speed of 740 kmph, the aircraft experienced a catastrophic failure that manifested as violent oscillations in the longitudinal plane accompanied by multiple indicators of Fly By Wire (FBW) system failure. This critical situation resulted in drastic pitch variations ranging from +45 degrees to -15 degrees, extreme g-loads spanning from -1.5 g to +12 g along with Angle of Attack (AOA) indications exceeding 24 units. As the supervisor in the cockpit he demonstrated exceptional situational awareness and airmanship despite experiencing physical forces that exceeded normative limits for human tolerance. Under extreme conditions of rapidly varying g-loads and pitch, he maintained a composed and calm demeanour, swiftly taking control of the situation and instructing the front pilot to reset the failed FBW channels. He exercised exemplary judgment by first corroborating that the critical FBW red light was not illuminated before guiding the front pilot to operate the correct switches.

The ensuing task was extremely demanding given the violent onset of intense g-forces and the rapidity of the manoeuvre that manifested under conditions of total darkness by night. Without any external frame of reference and unable to discern the aircraft instruments due to blurring of vision, he demonstrated extraordinary airmanship and praiseworthy intuition by promptly re-opening power on the aircraft. This prevented a potentially cataclysmic accident that could have occurred due to rapid loss of airspeed. Throughout the emergency he displayed absolute professionalism and composure, and maintained apt responsiveness despite being in extreme physical agony while struggling to stay conscious and remain oriented. Furthermore, he demonstrated outstanding leadership and supervisory acumen by guiding and reassuring the U/T pilot in the front cockpit. These gallant actions highlight exceptional bravery in taking precise and correct measures under extreme pressure.

For this act of gallantry, Squadron Leader Sudhir Kumar is awarded 'SHAURYA CHAKRA'.

14. JKPS125836 DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE DHERAJ SINGH KATOCH, J&K POLICE

15. EXJ006226 INSPECTOR AJAY SINGH CHIB, J&K POLICE

(Effective date of Award: 23 March 2025)

On 23 Mar 25, based on inputs from local villagers regarding the presence of heavily armed foreign terrorists in the forested region near the International Border in Jammu's Samba district, a joint operation by J&K Police and other security forces was promptly launched. Despite the terrorists initially evading contact under the cover of night, determined efforts by the teams, led by DSP Dheraj Singh Katoch, SDPO Border, and Insp. Ajay Singh Chib, SHO Police Station Rajbagh, supported by ground intelligence and tireless tracking, narrowed their escape trail into the rugged Bani-Basholi-Billawar belt. On the intervening night of 26/27 Mar 25, continuous search operation and human intelligence pinpointed the terrorists' likely presence in the thickly forested villages of Soffain and Jothana. Multiple ambushes were laid at strategic locations with meticulous coordination by senior officers. Teams led by DSP Dheraj Singh Katoch and Insp. Ajay Singh Chib, comprising HC Jagbir Singh, SgCt Jaswant Singh, SgCt Tariq Hussain, and SgCt Balvinder Singh, took on the most exposed and dangerous positions deep within the terrain.

At 0900 hrs on 27 Mar 25, the terrorists, concealed in a tactically superior position, opened indiscriminate fire. These terrorists were highly trained, heavily armed, and affiliated with the proscribed Pakistan-based outfit Jaish-e-Mohammad. Unfazed by the sudden and overwhelming onslaught, the teams specifically led by DSP Dheraj Singh Katoch and Insp. Ajay Singh Chib retaliated with resolute grit and raw courage, holding their ground under intense fire. In the ensuing fierce fire fight and grenade exchanges, HC Jagbir Singh, SgCt Jaswant Singh, SgCt Tariq Hussain, and SgCt Balvinder Singh were grievously injured and later succumbed to their wounds. Their supreme sacrifice was instrumental in pinning down the terrorists and their elimination. Despite sustaining bullet and splinter injuries, DSP Dheraj Singh Katoch steadfastly held his position with extraordinary resolve, while Insp. Ajay Singh Chib, though uninjured, continued to lead his team from the front with unwavering composure and bravery. The cordon was further reinforced by other forces, culminating in the successful neutralization of two foreign terrorists and recovery of a large cache of arms and war-like stores, including an M4 rifle, two AK-47 rifles, grenades, ₹1.5 lakh in Indian currency, electronic gadgets, and rations.

For their fearless leadership, conspicuous gallantry, and vital contribution to the success of the operation Dheraj Singh Katoch, Deputy Superintendent of Police JKPS125836 and Ajay Singh Chib, Inspector EXJ006226 are awarded "SHAURYA CHAKRA".

16. ARP985561 DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE SUKHVIR SINGH, J&K POLICE

17. EXJ986313 ASSISTANT SUB INSPECTOR NIAZ AHMED, J&K POLICE

(Effective date of Award: 28 September 2024)

While following the leads received, post ambush on Army patrolling party near Badnota, in which five Army personnel got martyred, input was received on 28 Sep 24 at around 1100 h, regarding the presence of a group of Pakistani terrorists, belonging to Jaish-e-Mohammad outfit, in a house in village Dhanuparole in Kathua district. It was also learned that they were planning to attack a polling center nearby, which was going to the polls after two days. Acting on this tip-off, a posse of police commandos, including DSP Sukhvir Singh, ASI Niaz Ahmad & HC Bashir Ahmad, and contingents of Army & CRPF, launched a joint cordon and search operation.

The team split into two groups; one was led by DSP Sukhvir Singh, and the other included ASI Niaz Ahmad and HC Bashir Ahmad, among others. After keeping the house under surveillance for about six hours, the first team in the evening hours, observed some suspicious activities inside it, on which they decided to zero in and conduct a thorough search, while the other team placed a stop on the escape route. As the team started heading to the suspected house, sensing danger, terrorists suddenly came out and, in an attempt, to flee from the spot, they resorted to indiscriminate firing on the joint search team. However, HC Bashir Ahmad, who was holding a Light Machine Gun, pinned them down and forced them to retreat. Realizing the fact that HC Bashir Ahmad was the main hindrance, they pin-pointedly targeted him with their sophisticated weapons like M-4, leaving him critically injured. As the rest of the members tried to evacuate him, terrorists got an opportunity to slip away, which was resisted by DSP Sukhvir Singh and ASI Niaz Ahmad, who also sustained firearm injuries. However, taking benefit of darkness and rugged terrain, four terrorists fled away from the encounter site. Later, on the search of the scene of the encounter, including the house, one dead body of a dreaded foreign terrorist besides war-like stores was recovered. All the three injured policemen were evacuated, however, HC Bashir Ahmad, who was critically injured, succumbed en route.

For exhibiting exemplary courage in the face of death, beyond the call of duty and upholding the highest traditions of bravery and sacrifice Sukhvir Singh, Deputy Superintendent of Police ARP985561 & Niaz Ahmed, Assistant Sub Inspector (Now Sub Inspector) EXJ986313 are awarded "SHAURYA CHAKRA".

18. 75939 DEPUTY COMMANDANT ANJANI KUMAR, 209 CoBRA, CRPF

(Effective date of Award: 20 April 2025)

Sh. Anjani Kumar, Deputy Commandant, played a pivotal role in the unprecedented success of operation Dakabeda, conducted in the Luguburu forest area in Distt Bokaro, Jharkhand. His exemplary leadership, strategic insight and display of courage under fire were evident throughout the encounter, which was conducted in extremely challenging terrain and under constant threat from heavily armed Naxals, ambushes, landmines and IEDs.

As his strike party approached the suspected target area, they came under a deadly attack from Naxals positioned on fortified ground. Undeterred, Sh Anjani Kumar, DC and his buddy displayed tactical brilliance, retaliating with precision. Crawling through intense gunfire, they reached the enemy positions, neutralizing a Naxal who was targeting the team. Their gallant actions caused the remaining Naxals to flee from their positions.

During the gun fight, while chasing the fleeing naxals, Ct/GD Laljith V. of strike team was dangerously exposed in an open patch as his personal weapon got stoppages. Sh Anjani Kumar, DC risked his life and ordered his buddy Ct/GD Dipak Sah to give cover fire and crawled under fire and saved his colleague. Multiple exchanges of fire ensued as the strike party chased the fleeing Naxals, with bullets flying all around. Amidst these life-threatening circumstances, Sh. Anjani Kumar, DC remained composed, making critical decisions and maintaining team coordination.

In a particularly perilous encounter, Sh Anjani Kumar, DC and his buddy engaged a Naxal hiding in a cave, neutralizing him in close combat. Even after their commander was neutralized, the Naxals launched a fierce counterattack. Sh Anjani Kumar, DC continued to inspire his team, ultimately neutralizing a third Naxal with targeted fire.

Throughout the operation, Sh Anjani Kumar, DC demonstrated outstanding strategic acumen, effective leadership and unmatched bravery. His actions resulted in the elimination of three key Naxals, including one CCM and one SZCM and greatly contributed to the overall outcome. During this operation, eight Naxals got neutralized, one captured alive and fourteen weapons recovered. The achievement without any casualties to his team indicated extra-ordinary tactical acumen ship and calibrated strike.

For his stout leadership, extraordinary courage and indomitable valour under extreme adversity, Sh. Anjani Kumar, Deputy Commandant of 209 CoBRA, is awarded "SHAURYA CHAKRA".

19. 175322662 CONSTABLE DIPAK SAH, 209 CoBRA, CRPF

(Effective date of Award: 20 April 2025)

Ct/GD Dipak Sah played a crucial role in operation Dakabeda, conducted in the Luguburu forest area in Distt Bokaro, Jharkhand, as a key member of the strike party and buddy to the operation commander Shri Anjani Kumar Deputy Commandant. During a fierce gun battle, Ct/GD Dipak Sah and his commander neutralized three Naxals, significantly contributing to the operation's success.

As the strike party approached the suspected target area, hidden Naxals initiated indiscriminate firing. On his commander's orders, Ct/GD Dipak Sah advanced bravely from the left flank, retaliated heavily, and reached the Naxal positions with his buddy. Demonstrating remarkable gallantry, he neutralized a Naxal, firing from a position behind a tree. The remaining Naxals retreated, firing sporadically as they fled.

While pursuing the fleeing adversaries, Ct/GD Laljit V. became vulnerable in open ground as his personal weapon developed stoppages. Without any hesitation, Ct/GD Dipak Sah, exemplifying camaraderie, crawled forward with his buddy to provide covering fire and support, ensuring his teammate's safety.

Continuing the assault, Ct/GD Dipak Sah advanced into the centre of the cordon, facing a barrage of bullets from Naxals concealed in boulders and a cave. He and his buddy used fire and move tactics to close in on the enemy, ultimately neutralizing the Naxal commander in a close-quarters encounter. Despite escalating attacks, the duo fiercely continued retaliation, and through a coordinated assault, eliminated a third Naxal, thereby demonstrating unwavering courage and operational commitment.

For his extraordinary bravery, indomitable spirit and devotion to duty under life-threatening circumstances, Ct/GD Dipak Sah of 209 CoBRA is awarded "SHAURYA CHAKRA".

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 79-Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-80335H MAJOR DS PAOSHO, SM, 7 MADRAS
2. IC-83875M MAJOR ANUJ MAHAJAN, SM, THE MECHANISED INFANTRY, 36 ASSAM RIFLES

3. IC-87111L MAJOR KRISHAN KANT, SM, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
4. TJ-7220M SUBEDAR RAMESH KUMAR, SM, 159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
5. JC-415468Y NAIB SUBEDAR RAJENDRA SINGH, SM, 2 PARA (SPECIAL FORCES)

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 80-Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-68017M LIEUTENANT COLONEL PUSHKAR VIJAY CHAUDHARY, 27 (INDEPENDENT) R&O FLIGHT
2. IC-74505L LIEUTENANT COLONEL SONAM TOPDEN BHUTIA, 2/8 GORKHA RIFLES
3. IC-78347Y MAJOR SUDHANSU SEKHAR PANI, 10 PARA (SPECIAL FORCES)
4. IC-79207Y MAJOR MOHIT PODIA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 37 ASSAM RIFLES
5. IC-81637F MAJOR R SAHIL, THE GARHWAL RIFLES, 33 ASSAM RIFLES
6. IC-81799M MAJOR BALENDU KUMAR JHA, 24 GRENADIERS
7. IC-83375P MAJOR RAVI SHANKAR JOSHI, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
8. IC-83402N MAJOR RUPAM DAS, 8 BIHAR
9. IC-84854H MAJOR ARNAV BALI, THE MECHANISED INFANTRY, 9 RASHTRIYA RIFLES
10. IC-85096H MAJOR ANSHUMAN RANJAN, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
11. SS-50193F MAJOR ARVIND KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 33 ASSAM RIFLES
12. IC-85703W CAPTAIN KARAN SINGH CHEEMA, THE ASSAM REGIMENT, 59 RASHTRIYA RIFLES
13. IC-85766Y CAPTAIN HARISH SINGH DEWALI, THE MARATHA LIGHT INFANTRY, 17 RASHTRIYA RIFLES
14. IC-85825A CAPTAIN MOHIT RAWAT, THE CORPS OF SIGNALS, 44 ASSAM RIFLES
15. IC-89386X CAPTAIN ANSHUMAAN SINGH, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
16. IC-89629X CAPTAIN BANE SWARAJ SUDHIR, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
17. IC-89864W CAPTAIN PRUTHVIRAJ JAYSING NIGHOT, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
18. IC-90222N CAPTAIN SAVIK, 5/9 GORKHA RIFLES
19. IC-90771N LIEUTENANT BHANU PRATAP SINGH, 12 DOGRA
20. IC-91460M LIEUTENANT AMAN PANDEY, 8 BIHAR
21. AR-422L ASSISTANT COMMANDANT BIKASH RAI, 11 ASSAM RIF
22. JC-414522P SUBEDAR PAWAN KUMAR, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
23. JC-414902N SUBEDAR PERBHAT GAUR, 10 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
24. JC-462184A SUBEDAR KANASE NAMDEV BALKRISHNA, 18 MARATHA LIGHT INFANTRY
25. JC-512278W SUBEDAR BALJINDER SINGH, 7 SIKH LIGHT INFANTRY
26. JC-534323X NAIB SUBEDAR DAYAL SINGH, THE GARHWAL RIFLES, 36 RASHTRIYA RIFLES
27. 13629139X HAVILDAR L JOEL KOM, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
28. 2805482X HAVILDAR MULLA ABIDALI ASHRAFALI, 18 MARATHA LIGHT INFANTRY
29. 13627760K LANCE HAVILDAR PALASH GHOSH, 5 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)
30. 2708808Y NAIK ALI MOHAMMAD KHAN, 24 GRENADIERS
31. 13633700L LANCE NAIK SUJAY GHOSH, 5 PARA (SPECIAL FORCES) (POSTHUMOUS)

32. 2718494W LANCE NAIK ABHIMANU SINGH, 21 GRENADIERS
33. 3211267F LANCE NAIK BIDHA SINGH, THE JAT REGIMENT, 34 RASHTRIYA RIFLES
34. 4494501H LANCE NAIK PRITPAL SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
35. 4495410L SEPOY HARMINDER SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19 RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)
36. 13635609N PARATROOPER HIMANSHU KUMAR, 21 PARA (SPECIAL FORCES)

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 81-Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Nao Sena Medal/Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 06451-K COMMANDER VINEET SHARMA
2. 05739-T COMMANDER YUVRAJ KUMAR
3. 233134-A C AVINASH ANNASO, POA (FD)

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 82-Pres/2026—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. 28651, GROUP CAPTAIN RAHUL JAGOTTA, FLYING (PILOT)
2. 29023, GROUP CAPTAIN RAHUL RAWAT, FLYING (PILOT)
3. 30734, WING COMMANDER ASHISH RAJPOOT, FLYING (PILOT)
4. 36829, FLIGHT LIEUTENANT (NOW SQUADRON LEADER) YASH, FLYING (PILOT)
5. 721298, MASTER WARRANT OFFICER RAVINDERJIT SINGH, PARA JUMPING INSTRUCTOR

S. M. SAMI
Deputy Secretary

No. 83-Pres/2026—The President is pleased to give orders for Publication in the Gazette of India of the names of the under Mentioned officers/personnel for Mention- in-Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Army Staff, Chief of the Naval Staff, Chief of the Air Staff”:—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-69047W COLONEL RANVEER SINGH, 207 ARMY AVIATION SQUADRON (UH)
2. IC-69987F LIEUTENANT COLONEL ABHISHEK JOSHI, SM, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
3. IC-74954A LIEUTENANT COLONEL HIMANSHU SHARMA, 21 COUNTER INSURGENCY INTELLIGENCE UNIT
4. IC-75641N LIEUTENANT COLONEL ADITYA JASROTIA, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
5. IC-79123L MAJOR DEVSHREE ARVIND SHARMA, 25 MADRAS
6. IC-79662F MAJOR KUNAL NARULA, 662 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
7. IC-80192N MAJOR SWAPNIL SRIVASTAVA, THE RAJPUTANA RIFLES, 9 RASHTRIYA RIFLES
8. IC-83504K MAJOR AKSHAY SINGH, THE DOGRA REGIMENT, 11 RASHTRIYA RIFLES
9. IC-84218P MAJOR ARUN, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 11 RASHTRIYA RIFLES
10. IC-84395P MAJOR ABDULASSISS M, THE MECHANISED INFANTRY, 26 RASHTRIYA RIFLES

11. IC-85338A MAJOR ROHIT SHARMA, 290 FIELD REGIMENT
12. MS-21865A CAPTAIN MUNIRAJ T, THE ARMY MEDICAL CORPS, 19 RASHTRIYA RIFLES
13. EXJ-956517 DSP SULTAN MAHMOOD, J&K POLICE
14. JC-414731M SUBEDAR MANOJ KUMAR, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
15. JC-454477W NAIB SUBEDAR KARAMBIR, 21 GRENADIERS
16. 12944920X HAVILDAR AIJAZ AHMED, 159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
17. 12945003A NAIK MUKESH SINGH, 159 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
18. 18014594A NAIK ROSHAN KUMAR, THE CORPS OF ENGINEERS, 3 RASHTRIYA RIFLES
19. 20005129M NAIK RAJAT SHARMA, 12 DOGRA
20. 4092968F NAIK NANDAN SINGH GUSAIN, 4 PARA (SPECIAL FORCES)
21. 16030157X RIFLEMAN RANJEET SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
22. 4104258Y RIFLEMAN RAMESH SINGH, THE GARHWAL RIFLES, 36 RASHTRIYA RIFLES
23. 4214463H RIFLEMAN GOVIND SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 57 RASHTRIYA RIFLES
24. 13635430A PARATROOPER MADHUKAR SHAILESH CHOUGULE, 2 PARA (SPECIAL FORCES)
25. C071 ARMY DOG TYSON, THE REMOUNT VETERINARY CORPS, 2 PARA (SPECIAL FORCES)
OPERATION SNOW LEOPARD
26. IC-75976L LIEUTENANT COLONEL SUHEL SINGH GILL, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
27. IC-76614W LIEUTENANT COLONEL RAKESH VASHISHTH, 301 ARMY AVIATION SQUADRON (SO)
28. IC-82536A MAJOR ABHIMANYU YADAV, 16 PUNJAB
29. IC-87109N MAJOR RAJIV MEEL, 203 ARMY AVIATION SQUADRON (UH)
30. SS-50476H MAJOR ABHISHEK ARJUN, THE GARHWAL RIFLES, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
31. SS-51142A MAJOR RAHUL MEHTA, THE REGIMENT OF ARTILLERY, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCES
32. IC-85309L CAPTAIN MOHIT GANJOO, THE ASSAM REGIMENT, 59 RASHTRIYA RIFLES
33. IC-88982X CAPTAIN GAURAV KUMAR, 60 ARMOURED REGIMENT
OPERATION HIFAZAT
34. IC-86612Y LIEUTENANT COLONEL SOUBAM KINOBABU SINGH, SM, 2 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
35. IC-77695N MAJOR NIKAM NIKHIL JANARDHAN, 2/8 GORKHA RIFLES
36. IC-79855F MAJOR AMIT NAIN, 19 GARHWAL RIFLES
37. IC-80902A MAJOR ABHISHEK KUMAR SINGH, 2 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
38. IC-82557W MAJOR VISHAL RANA, 2 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
39. IC-84276Y MAJOR C SAI VIVEK, SM, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 33 ASSAM RIFLES
40. SS-49621H MAJOR ZUBAIR AHMAD ITOO, THE CORPS OF ENGINEERS, 19 ASSAM RIFLES
41. SS-49862H MAJOR RAJKUMAR SANJEEV, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 31 ASSAM RIFLES
42. SS-50624H MAJOR SHARMA TANUJ DILIP, 2 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
43. IC-89918M CAPTAIN ARUN KUMAR SOLANIA, 2 MAHAR
44. SS-52962Y CAPTAIN ATHARV SHRIRANG JADHAV, 5/9 GORKHA RIFLES
45. IC-91155A LIEUTENANT SHIVAM PANDAY, 2 JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY
46. JC-414867W SUBEDAR TIL BAHADUR DANGI, 21 PARA (SPECIAL FORCES)

47. JC-572250A SUBEDAR AMIT KUMAR, 2 MAHAR
48. JC-572868Y SUBEDAR JARNAIL SINGH, 2 MAHAR
49. 13004054Y HAVILDAR NEHKHOHAO HAOKIP, 165 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
50. 4201986H HAVILDAR DEVENDRA SINGH NEGI, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
51. 4583520H HAVILDAR DONGARE GULABRAO SHAMRAO, 2 MAHAR
52. 4095561W NAIK KAPIL DEV, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
53. 4583294W NAIK SUNIL KUMAR, 2 MAHAR
54. 13633877Y LANCE NAIK BINNAR YOGESH POPAT, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
55. 19012325L LANCE NAIK JASPUNEET SINGH, 22 SIKH
56. 4295775W SEPOY SHUBHAM KUMAR, 8 BIHAR
57. 5763049M RIFLEMAN BHOJ BAHADUR RANA MAGAR, 2/8 GORKHA RIFLES
58. G/5011830L RIFLEMAN H YANG PANG SHANYEI PHOM, 22 ASSAM RIFLES
59. G/5012902W RIFLEMAN DELBOR ALI MONDAL, 3 ASSAM RIFLES
60. G/5033323X RIFLEMAN ADEPU RAKESH, 3 ASSAM RIFLES
61. 13635241W PARATROOPER RAHUL KUMAR YADAV, 21 PARA (SPECIAL FORCES)
62. A2100595K AGNIVEER HARIOM, 2 MAHAR
63. A2100682X AGNIVEER KRISHAN KUMAR, 2 MAHAR

OPERATION ORCHID

64. IC-79930A MAJOR DEBASHISH PUSTI, THE ARMOURED CORPS, 13 ASSAM RIFLES
65. SS-50101K MAJOR LAKSHYADEEP KANKER, THE ARMY AIR DEFENCE, 4 ASSAM RIFLES
66. 13634623N PARATROOPER BIKASH KAKATI, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
67. 14948636L PARATROOPER YOG RAJ, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
68. 4385264N PARATROOPER LALTAN SANGA, 11 PARA (SPECIAL FORCES)
69. 4593282P PARATROOPER DEEPCHAND KARGWAL, SM, 21 PARA (SPECIAL FORCES)

OPERATION MEGHDOOT

70. IC-79388P MAJOR DEVESH BHANDARI, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
71. SS-51489M MAJOR RISHIKESH PATHAK, 24 PUNJAB
72. 13773935P HAVILDAR NARESH SHARMA, 18 JAMMU AND KASHMIR RIFLES

OPERATION FALCON

73. IC-74051H LIEUTENANT COLONEL VIKAS PANDEY, 667 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)
74. IC-81183Y MAJOR KARTIK YADAV, THE ARMY AIR DEFENCE, 667 ARMY AVIATION SQUADRON (R&O)

MISCELLANEOUS OPERATION

75. IC-55075X LIEUTENANT COLONEL ROHIT SINGH SAHI, THE INTELLIGENCE CORPS (RETIRED)

NAVY

1. 06560-H COMMANDER NIKHIL CHUGH
2. 10450-Z LIEUTENANT AJAY JOSE N JOSEPH
3. N1004055-W ASHWIN SANTHOSH, AVR SEA (CD)
4. 264485-B ABHISHEK C DHANAWADE, SEA I (CD)

AIR FORCE

1. 28677, WING COMMANDER RL NAGESH KUMAR, FLYING (PILOT)
2. 29708, WING COMMANDER CR PRADEEP, FLYING (PILOT)
3. 29944, WING COMMANDER AMMAR HAIDER NAQVI, FLYING (PILOT)
4. 30803, WING COMMANDER MANOJ PURI GOSWAMI, ADMINISTRATION/ AIR TRAFFIC CONTROLLER
5. 35571, SQUADRON LEADER KUNDARAPU KOUSHIK, FLYING (PILOT)
6. 35991, SQUADRON LEADER AVIRAL GANDHI, FLYING (PILOT)
7. 38321, FLIGHT LIEUTENANT PARTHSARATHI MULAY, FLYING (PILOT)
8. 717826, MASTER WARRANT OFFICER BRAHM PRAKASH, PARA JUMPING INSTRUCTOR (RETD)
9. 780474, MASTER WARRANT OFFICER ANOOP SINGH, PARA JUMPING INSTRUCTOR
10. 977058, CORPORAL MOHAN LAL SAINI, INDIAN AIR FORCE (SECURITY)

S. M. SAMI
Deputy Secretary

MINISTRY OF EDUCATION
(DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION)

New Delhi, the 25th September 2026

No. 3-6/2021-Skt.I—In exercise of the powers conferred under Rule 18(i) of the Memorandum of Association (MoA) of Maharshi Sandipani Rashtriya Ved Vidya Pratisthan (MSRVVP), Ujjain, Shri Pralhad Joshi, Hon'ble Union Minister of Education and Chairman of the Pratisthan, is pleased to appoint Prof. (Retd.) Hriday Ranjan Sharma, Former Head, Lifelong Distinguished Professor, Department of Veda, Banaras Hindu University, Varanasi, as Vice Chairman of Maharshi Sandipani Rashtriya Ved Vidya Pratisthan (MSRVVP), Ujjain, Madhya Pradesh, with effect from 2nd September 2026.

The tenure of the Vice Chairman will be co-terminus with that of the Chairman of the Pratisthan with other terms and conditions of office as provided under Rule 18 and other provisions of MoA.

SHREYANSH MOHAN
Deputy Secretary